हिन्दी दैनिक

साहसिक टाइम्स

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 01, अंक : 38 पृष्ठ : 08, मूल्य : रू 1.00, लखनऊ, सोमवार 17 जून, 2024

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद: मुख्यमंत्री

संवाददाता

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के चलते मार्च माह से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनोपयोगी जनता दर्शन कार्यक्रम एक बार फिर प्रारंभ हो गया है। इसकी शुरूआत गत दिनों लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास से हुई। शनिवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व 9 मार्च को हुआ था। रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों को थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए

➡ जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 350 लोगों की समस्याएं
➡ सबको दिया भरोसा, हर व्यक्ति की पीड़ा को दूर करने के लिए संकल्पित है सरकार

जाएं गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज में मदद की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं।

अगर टीडीपी को नहीं मिला लोकसभा स्पीकर का पद, तो इंडिया गठबंधन देगा उन्हें समर्थन: संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि 'लोकसभा स्पीकर पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2014 और 2019 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा है कि लोकसभा स्पीकर का पद एनडीए गठबंधन के किसी नेता को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है और अगर उन्हें यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि तेदेपा के उम्मीदवार को गठबंधन का समर्थन मिले। संजय राउत ने कहा कि 'लोकसभा स्पीकर पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2014 और 2019 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा

स्पीकर का पद मांगा है। अगर एनडीए के उम्मीदवार को यह पद नहीं मिला तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह टीडीपी, जेडीयू और लोजपा (रामविलास) को तोड़ सकते हैं। अगर चंद्रबाबू नायडू को यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि उनके उम्मीदवार को गठबंधन का समर्थन मिले।' गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि अगर डिप्टी स्पीकर पद विपक्षी गठबंधन को नहीं मिला तो वे लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपने उम्मीदवार का एलान कर सकते हैं। 17वीं लोकसभा के दौरान डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहा था। लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई को सत्र का समापन होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव में भाजपा को 240 सीटों पर जीत मिली और पार्टी बहुमत के आंकड़े 272 से 32 कम है। ऐसी स्थिति में तेदेपा (16) और जदयू (12) सीटों के साथ किंगमेकर बनकर उभरी हैं।

न्यूज

सलमान खान फायरिंग केस में राजस्थान के बूंदी से एक गिरफ्तार

मुंबई। सलमान खान फायरिंग मामले को लेकर मुंबई की क्राइम ब्रांच टीम ने राजस्थान के बूंदी से एक आरोपी को दबोचा है। इसी के साथ ही इस हमले के तार एक बार फिर से राजस्थान से जुड़े पाए गए हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी बनवारीलाल को हिंडौली से गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे मुंबई ले आई है। मुंबई में ही उससे पूछताछ की जाएगी। आरोपी बनवारीलाल लटूरलाल गुर्जर ने सलमान को यूट्यूब चैनल पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम लेते हुए धमकी दी थी। जांच में पता चला है कि आरोपी हिंडौली इलाके के बोरदा गांव का रहने वाला है। वह कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से प्रभावित था। हालांकि जांच के बाद ही यह पता चलेगा कि वह किस हद तक इस मामले में शामिल है। फिलहाल मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कपूरथला में ट्रैक्टर रेस के दौरान बड़ा हादसा, कई लोग घायल

कपूरथला। पंजाब के कपूरथला जिले के फगवाड़ा में रविवार को गैरकानूनी तरीके से आयोजित ट्रैक्टर रेस के दौरान खतरनाक हादसा हुआ। इस हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस खौफनाक मंजर की वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार घटना फगवाड़ा के डुमेली गांव की है, जहां ट्रैक्टर रेस का आयोजन किया गया था। रेस के दौरान दो में से एक ट्रैक्टर का संतुलन ऐसा बिगड़ा की ट्रैक्टर ने साइड पर खड़े लोगों को रौंद डाला। इस हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद फगवाड़ा प्रशासन पर भी कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। हर किसी के जहन में यह सवाल है कि आखिरकार इस खतरनाक मौत के खेल पर लगी पाबंदी के बाद भी आयोजन की परमिशन किसने और क्यों दी। सवाल यह भी है कि अगर प्रशासन ने इसकी परमिशन नहीं दी तो प्रशासन की नाक तले इतना खतरनाक आयोजन कैसे हुआ।

शुभकामना

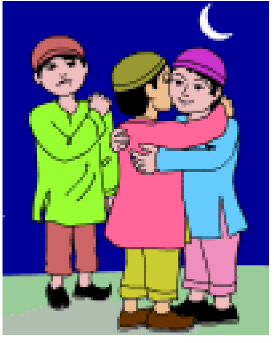

ईद-उल-अज़्हा के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

सूचना

ईद-उल-अज़्हा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक २० जून को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

महापुरुषों की प्रतिमाओं के स्थानांतरण का मुद्दा संसद सत्र में उठाएगा इंडिया गठबंधन: जयराम रमेश

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और कुछ अन्य महापुरुषों की प्रतिमाएं एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाने से जुड़े मुद्दे को इंडिया गठबंधन संसद के आगामी सत्र के दौरान उठाएगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और कुछ अन्य महापुरुषों की प्रतिमाएं एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाने से जुड़े मुद्दे को इंडिया गठबंधन संसद के आगामी सत्र के दौरान उठाएगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए यह जानकारी दी। संसद सत्र आगामी 24 जून से आरंभ हो रहा है। 18वीं लोकसभा की यह पहली बैठक होगी। थरूर ने कहा, संविधान में संसद कार्यपालिका के समान ही एक संप्रभु अंग है। यह सदस्यों की संपत्ति है। माना जाता है कि प्रतिमाओं और चित्रों से संबंधित एक समिति होती है जो इन मामलों पर निर्णय लेती है। अब कई वर्षों से इसका पुनर्गठन नहीं किया गया है। इसकी अनुपस्थिति में इन सभी मामलों पर निर्णय कौन ले रहा है? उन्होंने कहा, कार्यपालिका को ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। आदर्श रूप से नए सदन और समिति को इस प्रस्ताव पर चर्चा करनी चाहिए थी और निर्णय लेना चाहिए था। सरकार ने यह कदम उठाकर संसद के विशेषाधिकारों का हनन किया है। इस पर रमेश ने कहा, आप शत प्रतिशत सही हैं।

आम चुनाव में इंडिया का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा, मोदी सहयोगियों के बूते प्रधानमंत्री बने: एम के स्टालिन

एजेंसी

कोयंबटूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने

शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा क्योंकि लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपने बलबूते सरकार बनाने के लिए निर्णायक जनादेश से वंचित कर दिया। उन्होंने यहां कहा कि नरेन्द्र मोदी संसद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ताकत (बहुमत) के कारण नहीं बल्कि मुख्यमंत्रियों-- एन चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के समर्थन के बल पर ही प्रधानमंत्री बन पाये। उन्होंने कहा कि यह मोदी की हार है क्योंकि उन्हें सरकार बनाने के लिए सहयोगियों पर निर्भर होना पड़ा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने यहां मुप्पेरूम विझा (तिहारा जश्न) के मौके पर कहा, यदि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार का समर्थन नहीं होगा तो भाजपा कहां होगी।

दिल्ली में पानी की पाइपलाइन काटने की हो रही साजिश: आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में पानी किल्लत को लेकर

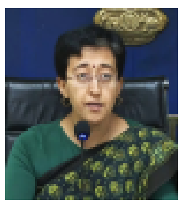

सियासत तेज हो गई है। इस बीच दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय राजधानी में पाइपलाइन काटने की साजिश हो रही है। आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने मुख्य वाटर पाइपलाइन को सुरक्षा देने का आग्रह किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि दिल्ली भीषण गर्मी और जल संकट से जूझ रही है।

बिहार से गुंडाराज-माफिया राज का होगा खात्मा : विजय कुमार सिन्हा

एजेंसी

लखीसराय। लोकसभा चुनाव के बाद बिहार के उपमुख्यमंत्री

विजय कुमार सिन्हा एक दिवसीय दौरे पर रविवार को लाखीसराय पहुंचे। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। विजय कुमार सिन्हा ने बड़हिया प्रखंड के हृदन बीघा गांव में ग्रामीण कार्य विभाग से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। इस दौरान बड़हिया प्रखंड की प्रमुख इंदु देवी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह मौजूद रहे।

एलन मस्क के बाद राहुल गांधी का भी आया ईवीएम पर बयान

चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे गंभीर सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। हमारे देश में लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं

और अब कई राज्यों विधानसभा और उपचुनाव की तैयारियां हो रही है। लेकिन एक बार फिर ईवीएम का जिन्न जाग उठा है। दरअसल विदेश में भी ईवीएम के जरिए चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी देश में ईवीएम के जरिए हो रहे चुनाव पर तंज कसा है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240, कांग्रेस ने 99 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब संस्थाओं में

➡ भारत में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लोकसभा चुनाव में ईवीएम के जरिए मतदान किया। चुनाव परिणाम आने के करीब 10 दिन बाद फिर से ईवीएम को सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईवीएम को ब्लैक बॉक्स बताया है। और कोई भी इसकी जांच नहीं कर सकता है।

जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है। कांग्रेस नेता ने कुछ मीडिया रिपोर्टस को टैग किया, जिसमें ये दावा किया गया है कि मुंबई के उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से मात्र 48 वोटों से चुनाव जीतने वाले शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक फोन था, जिससे ईवीएम अनलॉक हो जाता है। राहुल गांधी ने टेस्ला और सोशल मीडिया साइट (पहले ट्विटर) के सीईओ एलन मस्क के उस पोस्ट को भी टैग किया, जिसमें एलन मस्क ने लिखा है कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इसे इंसान या एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना कम है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है।

ईवीएम पर एलन मस्क के बयान में कोई सच्चाई नहीं, भारत से सीख लेनी चाहिए : राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को वोटिंग से हटाने के बारे में एलन मस्क के विचारों को एक व्यापक आम बयान बताते हुए रविवार को कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को भारत आकर कुछ सीख लेनी चाहिए। लन मस्क ने एक पोस्ट में कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर दिया जाना चाहिए क्योंकि मानव या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम अभी भी बहुत अधिक है। उनकी इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, "यह एक बहुत बड़ा आम बयान है, जिसका

मतलब है कि कोई भी सुरक्षित डिजिटल हार्डवेयर नहीं बना सकता। यह गलत है।" चंद्रशेखर के अनुसार, एलन मस्क के सोचने-समझने का तरीका अमेरिका और अन्य स्थानों पर लागू हो सकता है, जहां पर वे इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीन बनाने के लिए रेगुलर कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

प्रेरणास्थल से विदेशी भी जान सकेंगे भारत का लोकतंत्र: लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रेरणास्थल बनने के बाद संसद में लगी सभी महापुरुषों और क्रांतिकारियों की प्रतिमाएं एक स्थान पर होंगी। यहां आगुंतक और पर्यटक उनके जीवन दर्शन के बारे में सुन और पढ़ सकेंगे। इसके लिए संसद के भीतर एक विशेष व्यवस्था की जा रही है। रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रेरणास्थल से भारत के लोगों को तो जानकारी मिलेगी ही, साथ ही विदेशी भी भारत के लोकतंत्र और भारत के बारे में जान सकेंगे। हमारी नई पीढ़ी भी इन महापुरुषों के योगदान से अवगत हो सकेगी। उन्होंने बताया कि उपराष्ट्रपति रविवार शाम इसका लोकार्पण करेंगे। इससे पहले विपक्ष ने आरोप लगाया था कि संसद में महात्मा गांधी समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों को उनके स्थान से हटाया जा रहा है। गौरतलब है कि असहमति होने पर कई बार विपक्षी सांसद

महात्मा गांधी की मूर्ति के समक्ष विरोध-प्रदर्शन करते हैं। रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि संसद में एक प्रेरणास्थल का निर्माण किया जा रहा है, जहां इन प्रतिमाओं का जीवंत दर्शन किया जा सकेगा। संसद भवन के अंदर महापुरुषों, क्रांतिकारियों, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक नवचेतना जगाने वाले महापुरुषों की अलग-अलग समय में अलग-अलग स्थानों पर भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। संसद ने निर्णय किया है कि अब उन प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक तरीके से प्रेरणास्थल पर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यहां भारत के लोकतंत्र की विरासत, संस्कृति व भारत के लोकतंत्र में योगदान देने वालों की जानकारी मिलेगी। यह प्रेरणास्थल वर्तमान व आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरणा देगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह पुनः लोकसभा स्पीकर चुने जाएंगे, इस पर उन्होंने कहा कि ये नियम के मुताबिक होगा, सरकार तय करेगी। ये राजनीतिक दल तय करते हैं। संसद की सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जहां पहले संसद की सुरक्षा अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जाती थी। अब संसद की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक एजेंसी पर है। संसद की सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है।

एक जुलाई से लागू होंगे तीन नए आपराधिक कानून, दिया जा रहा प्रशिक्षण: कानून मंत्री मेघवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारत सुरक्षा संहिता' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' एक जुलाई 2024 से लागू होंगे। ये कानून पिछले साल 25 दिसंबर को अधिसूचित किए गए थे। मेघवाल ने कहा, भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) बदल रहे हैं। उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए और भारत के विधि आयोग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए तीनों को कानूनों को बदला गया है। उन्होंने कहा, एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता, भारतीय सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से तीन कानून लागू किए जाएंगे।

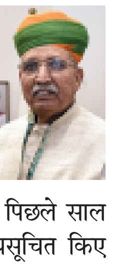

किताबों में बदलाव पर एनसीईआरटी निदेशक सकलानी की दो टूक

स्कूलों में हिंसा-विध्वंस जैसे पाठ जरूरी नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के निदेशक दिनेश सकलानी ने पाठ्यक्रमों में बदलाव और कई अहम सवालों का बेबाकी से जवाब दिया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, पढ़ाई का मकसद हिंसक और उदासीन नागरिक बनाना नहीं है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में पूछा, हमें छात्रों को दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए? एनसीईआरटी प्रमुख ने गुजरात दंगा, बाबरी मस्जिद आदि से संबंधित पुस्तकों में हुए बदलावों पर कहा, पाठ्यपुस्तकों में संशोधन एक वैश्विक प्रथा है, यह शिक्षा के हित में है। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को इतिहास में हुई हिंसक और बर्बरतापूर्ण घटनाओं के बारे में पढ़ाना जरूरी नहीं है, इसलिए साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर कई अहम बदलाव किए गए हैं। एनसीईआरटी निदेशक दिनेश सकलानी ने कहा, अगर कोई चीज अप्रासंगिक हो जाती है, तो उसे

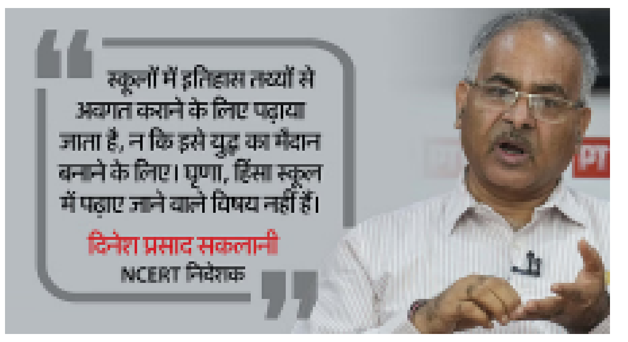

> स्कूलों में इतिहास तथ्यों से अवगत कराने के लिए पढ़ाया जाता है, न कि इसे युद्ध का मैदान बनाने के लिए। घृणा, हिंसा स्कूल में पढ़ाए जाने वाले विषय नहीं हैं।
>
> दिनेश प्रसाद सकलानी
> NCERT निदेशक

बदलना ही होगा। स्कूलों में इतिहास तथ्यों से अवगत कराने के लिए पढ़ाया जाता है, न कि इसे युद्ध का मैदान बनाने के लिए। ऐसे में बदलावों पर सवाल या विवाद खड़ा करना ठीक नहीं है। साल 2002 में हुए गुजरात दंगों से जुड़े किताब के अंशों में बदलाव पर उन्होंने साफ किया, घृणा, हिंसा स्कूल में पढ़ाने का विषय नहीं है। एनसीईआरटी जैसी शोध आधारित पाठ्यपुस्तकों का इन मुद्दों पर फोकस नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में संशोधन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। बदलावों में एनसीईआरटी निदेशक के रूप में अपनी भूमिका को लेकर दिनेश सकलानी ने कहा, 'मैं प्रक्रिया को निर्देशित या हस्तक्षेप नहीं करता।' गौरतलब है कि सकलानी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब एनसीईआरटी की नई किताबें बाजार में आई हैं।

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए दूर-दूर से पहुंच रहा योगदान

श्री अमरनाथ सेवा संस्थान द्वारा दो ट्रकों का पूजन करके लगभग 30 टन सामग्री अमरनाथ यात्रा मे यात्रियों के भोजन के लिए भेजी गई है। श्री अमरनाथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष ने बताया कि 29 जून से बाबा अमरनाथ की यात्रा चालू हो रही है। जिसमे पूरे देश से सामग्री इकट्ठा होकर अमरनाथ यात्रा मे लगने वाले भंडारे मे और अन्य सुविधाओं के लिए जो यात्रियों को प्रदान की जाती है उसके लिए पूरे देश से सामग्री इकट्ठा होती है। ऐसे मे हम कानपुरवासी भी इसी मे अपना योगदान देते हुए सामग्री इक्कठा करके वहां लगने वाले भंडारे मे सहयोग देते हैं। ताकि यात्रियों को हर प्रकार की सुविधा मिल सके, और वे अच्छे मनोभाव से दर्शन कर सके यही हमारा उद्देश्य है। इन ट्रकों मे लगभग 20 टन सामग्री है। जिसमे आटा, चीनी, देशी घी, हर प्रकार की दालें, चावल, रिफाइंड, चाय पत्ती, रवा समेत तमाम खाद्य सामग्री है। इसका उद्देश्य है कि अमरनाथ यात्रा करने वाले यात्री जो भी अन्न खाएं उसमे कानपुर का अन्न भी शामिल हो। इसी संकल्प को लेकर इसकी शुरूआत हुई थी। इसमे कानपुर नगर के व्यापारी, संस्थाएं व अन्य कारोबारी शामिल हैं। उन्ही के सहयोग से ये सामग्री इकट्ठा की गई है। पिछले 15 वर्षों से यह सामग्रियां सभी के सहयोग से लागतार हर वर्ष भेजी जाती आ रही हैं।

संवाददाता

कानपुर। 29 जून से शुरू होने वाली 1:30 महीने की जम्मू कश्मीर मे स्थित अमरनाथ यात्रा को लेकर यात्रियों को विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का लाभ प्रदान करने के लिए भारत के हर राज्य के श्रद्धालु अपनी अपनी श्रद्धानुसार तरह तरह योगदान प्रदान करते हैं। जिसमे खाद्य सामग्री, जीवन रक्षक दवाएं, यात्रियों के रहने के लिए टेंट, थकान दूर करने के लिए मशीनें इत्यादि सुविधाएं प्रदान की जाती है। इस अमरनाथ यात्रा की सेवा मे हमारे कानपुर से भी कई भंडारे यात्रियों की सुविधा के लिए अमरनाथ यात्रा को जाते हैं और वहां पहुंचे शिव भक्तों की सेवा मे यह संस्थाने अपना अपना योगदान प्रदान करती हैं। ऐसी ही एक कानपुर के बर्रा मे स्थित श्री अमरनाथ सेवा संस्थान ने बीते दिन रविवार को शिव जी का भव्य कार्यक्रम कर अमरनाथ यात्रा मे जाने वाले यात्रियों के लिए दो ट्रक खाद्य सामग्री, जीवन रक्षक दवाएं और मशीनी उपकरण भक्तों की सेवा के लिए कानपुर से रवाना किए हैं। इसी क्रम मे कल दिनांक 16 तारीख को शास्त्री चौक बर्रा मे स्थित मां वैष्णो गेस्ट हाउस मे यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम मे शंकर जी का स्वरूप एवं नंदी जी का स्वरूप देकर झांकी भी दिखाई गई और भंडारे का अयोजन किया गया। साथ ही साथ इस कार्यक्रम के अध्यक्ष बालकृष्ण दीक्षित जी ने बताया कि यह कार्यक्रम हम 15 सालों से लगातार करते आ रहे हैं और हर साल की भांति यह कार्यक्रम सभी लोगों के सहयोग से होता चला आ रहा है। बाकि कोशिश हम लोग की यह रहती है कि अमरनाथ मे पहुंचने वाले हर भक्त के लिए सभी सामग्री ज्यादा से ज्यादा भेजी जा सके। अध्यक्ष बालकृष्ण दीक्षित ने बताया कि इस भव्य कार्यक्रम मे कुछ भक्त उन्नाव, पुखरायां शाखा से भी आए हुए हैं। उन सभी भक्तों का मै सम्मान करता हूं। इस कार्यक्रम मे संरक्षक व मार्गदर्शक रहे बालकृष्ण दीक्षित के साथ राधा रमन तिवारी, कृष्णकांत तिवारी, लक्ष्मी शंकर गुप्ता, संजय पंडित, मनोज शर्मा, विजय सिंह राजपूत, तेज सिंह यादव, अनिल शुक्ला, जगदेव सिंह, मनोज बिश्नोई, नीरज वर्मा, आदि इस श्री आनंदेश्वर अमरनाथ सेवा परिवार के सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

नाला सफाई का सघन निरीक्षण

संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर निगम के नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा जोन-5 के अन्तर्गत सभी बड़े नालों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय वार्ड-4 के पार्षद, श्री कमलेश पटेल, सहायक अभियन्ता अखिलेश यादव अवर अभियन्ता एवं अन्य अभियन्तागण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान निम्न निर्देश मौके पर दिये गये:- जोन-5 के अन्तर्त रफाका नाले का सघन निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम शास्त्री चौक, रतनलाल नगर पुलिया पर निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार बाईपास से क्रास करके दोनों पट्टी पर नाले की सफाई देखी गयी। दादा नगर पुलिया पर सफाई देखी गयी। फायर बिग्रेड के सामने भी नाले की सफाई देखी गयी। गुजैनी नाले का भी निरीक्षण किया गया। यह नाला गुजैनी बाईपास क्रास करके केन्द्राचल कालोनी की ओर अण्डरग्राउण्ड की ओर भी देखा गया । केन्द्राचल की ओर क्रास पर नाले की सफाई संतोषजनक नही पायी गयी। नाले की सफाई में मुख्यतः यह पाया गया कि नाले की सफाई तो हुयी है, परन्तु जहॉ-जहॉ नाले की कलवर्ट/पुलिया अथवा क्रास है, वहॉ पर नाले की सफाई पूर्णतया न होने से पानी की स्थिरता पायी गयी। इस सम्बन्ध में मौके पर मुख्य अभियन्ता को निर्देश दिये गये कि एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर मानव बल की सहायता से नालों की कलवर्ट/पुलिया के नीचे व क्रास की सफाई युद्धस्तर पर करायी जाये, जिससे पानी के बहाव में तेजी आये और जल निकासी बिना किसी अवरोध से होती रहे। किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के मा0 विधायक जी हुयी वार्ता के क्रम में राम आसरे नगर एवं सी0टी0आई0 तालाब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय श्री कमलेश पटेल सहायक अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि इस तालाब में पूरे क्षेत्र का डिस्चार्ज वॉटर आता है, इसी का प्रोजेक्ट बनाया गया है, इसके डिस्चार्ज वॉटर को एकत्र करते हुए पाइप के माध्यम से सी0टी0आई0 पर पाइप लाइन से जोड़ दिया जायेगा, जिससे यहॉ की समस्या हल हो जायेगी। इसकी लागत 39.00 लाख है। निर्देश दिये गये कि तालाब के संरक्षण हेतु अलग से डी0पी0आर0 बनाया जाये। एल0एम0एल0 के अन्दर नाले की सफाई का निरीक्षण किया गया। यहॉ पर चौकीदार द्वारा अवगत कराया गया कि इस बार अभी तक सफाई नही हुयी है। निर्देश दिये गये कि तत्काल सफाई कराते हुए उसे फोटो भेजा जाये।

गोविन्द नगर कच्ची बस्ती में एक किमी0 तक पैदल चलकर सफाई निरीक्षण

विगत कई दिनों से गोविन्द नगर कच्ची बस्ती में नाला सफाई की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, इसी संदर्भ में आज गोविन्द नगर कच्ची बस्ती का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय क्षेत्रीय पार्षद जी द्वारा अवगत कराया गया कि गोविन्द नगर कच्ची बस्ती में नाले की सफाई तो हुयी है, परन्तु तलीझार सफाई न होने से पुनः पानी का स्तर ऊपर हो गया है। इस सम्बन्ध में कच्ची बस्ती पुल के नीचे से करीब 1.00 किमी चलकर नाले की सफाई को देखा गया । नाले के अन्तिम छोर जहॉ पर यह नाला झॉसी लाइन पर आकर मिलता है, को देखा गया। इस नाले को और अधिक सघनता से देखते हुए चरन सिंह कालोनी के अन्दर से इस नाले को देखा गया है, यहॉ पर मौके पर टी0एम0एक्स 20 से नाले की सफाई पायी गयी, तथा सिल्ट भी काफी मात्रा में निकली हुयी पायी गयी। नगर आयुक्त ने निर्देश दिये कि नाला सफाई का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में किसी भी दशा में जल भराव न होना और इसके नाले के अन्दरूनी भाग कलवर्ट/पुलिया की सफाई अत्यन्त आवश्यक है। इसलिए मानव बल लगाकर अन्दरूनी भाग की सफाई करायी जाये। साथ ही एक सप्ताह में गोविन्द नगर कच्ची बस्ती में पुनः अन्तिम छोर से सफाई करते हुए इसके प्रारम्भिक छोर की ओर जाया जाये। गोविन्द नगर कच्ची बस्ती के नाले की अन्तिम छोर इसके निकास द्वार को बनाये जाने एवं सड़क तक इण्टरलॉकिंग के निर्देश सहायक अभियन्ता को दिये गये । विजय नगर मछली बाजार के पास रफाका नाले का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान अमार्पुर की ओर से आ रहे नाले के अन्तिम छोर की सफाई संतोषजनक पायी गयी।

भारतीय सिंधू सभा के तत्वाधान में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण वा चश्मा वितरण

संवाददाता मनी वर्मा

कानपुर। भारतीय सिंधु सभा के तत्वावधान में सिंधु सम्राट महाराजा दाहिरसेन के बलिदान दिवस के अवसर पर रविवार को लिटिल चैंम्स किड्स आई केयर सेंटर में 16 वर्ष के बच्चों का निशुल्क नेत्र प्रशिक्षण कराया गया इस दौरान अनुभवी चिकित्सकों द्वारा जिन बच्चों की आई साइड भी कमजोर निकली उन्हें समिति की ओर से निशुल्क चश्मा तथा दवाइयां भी प्रदान की गई कार्यक्रम की शुरूआत सिंधु सम्राट के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अशोक अगनानी ने बताया कि शाम तक चले नेत्र प्रशिक्षण में करीब 200 से अधिक बच्चों की आंखों की जांच की गई है जिन बच्चों की आंखों में दिक्कत पाई गई है उन्हें दवाइयां तथा चश्मा भी उपलब्ध कराए गए हैं समिति इस प्रकार के कार्यक्रम बीते कई वर्षों से लगातार करती चली आ रही है और आगे भी करती रहेगी ताकि जरूरतमंदों की मदद की जा सके इस दौरान समिति से जुड़े पदाधिकारी की ओर से बच्चों को उपहार भी भेंट किए गए उन्होंने बताया कि कनिका हॉस्पिटल से सीनियर डॉक्टर डॉक्टर शरद बाजपेई दो शोभित पांडे डॉक्टर शकुंतला पांडे ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर बच्चों का नेत्र प्रशिक्षण किया,,,, इस मौके पर मौजूद रहे इंद्रजीत आहूजा,,, ओमप्रकाश बदलानी,,, दीपक अंसवानी,,, विक्की छाबड़ा,,, मनोज गनवानी,,, गोविंद खत्री,,, कुलदीप,,, दिलीप,,, आदिल लोग मौजूद रहे।

PANEL OF DOCTORS

फादर्स डे के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण

संवाददाता मनी वर्मा

कानपुर। फादर्स डे के अवसर पर होटल रोज वुड के तत्वावधान में जहां एक ओर सम्मान समारोह आयोजित हुआ वहीं दूसरी ओर हरित क्रांति लाने के उद्देश्य से 1000 पौधों का वितरण किया गया विशेष अतिथि के रूप में मौजूद गोल्डन बाबा ने लोगों को वृक्ष प्रदान करते हुए शपथ दिलाई की वृक्ष लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल अवश्य करें ताकि हरियाली बरकरार रहे मुख्य अतिथि का स्वागत एवं धन्यवाद होटल के ओनर सुरेंद्र सिंह चौहान और महाप्रबंधक प्रशांत पांडे ने पौधा देकर किया इस मौके पर सुरेंद्र सिंह चौहान ने कहां की वह लगातार सामाजिक हित को ध्यान में रखते हुए सामाजिक कार्यक्रम करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे आने वाली पीढियां को ऑक्सीजन की कमी ना हो इसके लिए हरित क्रांति लाना मुख्य उद्देश्य है इसी बात को ध्यान में रखते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम को संपन्न कराया गया है इस तरीके का कार्यक्रम आगे भी किया जाएगा ताकि चारों तरफ हरियाली बरकरार रहे एक सवाल के जवाब में महाप्रबंधक प्रशांत पांडे ने कहा कि जिस प्रकार हम सभी लोग चिल्लाती गर्मी में परेशान हो रहे हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए हमें वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए ताकि हमें ऑक्सीजन बराबर मिलती रहे कार्यक्रम का संचालन अटल फाउंडेशन के पदाधिकारी द्वारा किया गया!

विकलांग एसोसिएशन ने सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण शिविर का किया आयोजन

09 नवम्बर 2024 को दिव्यांग व गरीब व्यक्तियों का होगा सामूहिक विवाह

संवाददाता मनी वर्मा

कानपुर। विकलांग एसोसिएशन ने आज शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क, बगिया में सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण शिविर का आयोजन किया। शिविर में 24 आवेदन प्राप्त हुये। दिव्यांग व गरीब व्यक्तियों का सामूहिक विवाह 09 नवम्बर को आयोजित किया जायेगा एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया की दिव्यांग लड़की से स्वस्थ लड़के द्वारा विवाह करने पर सरकार से पुरस्कार के रूप में 20 हजार, शारीरिक रूप से स्वस्थ लड़की दिव्यांग लड़के से विवाह करेगी तो उन्हें 15 हजार व दोनों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रुपए सरकारी सहायता दिलायी जायेगी विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया की गरीब व अनाथ दिव्यांग लड़कियों के विवाह के लिये एसोसिएशन ने घर बसाओ - पुण्य कमाओ कन्यादान योजना शुरू की है।

ऐसे व्यक्तियों को कन्यादान योजना में शामिल किया जायेगा जिनके पुत्री नहीं है और वो कन्यादान करने के इच्छुक हों। इसके लिए उन्हें लिखित अनुरोध करना होगा।

वीरेन्द्र कुमार ने कहा की दिव्यांग व्यक्तियों के विवाह में बहुत समस्या आ रही है। दिव्यांग लड़कियों के विवाह के लिये आवेदन नाम मात्र ही आते हैं जबकि दिव्यांग लड़कों के आवेदन अधिक आते हैं दिव्यांग व्यक्तियों का विवाह न हो पाने के कारण वो मानसिक तनाव में रहते हैं वीरेन्द्र कुमार ने बताया की सुबह 9 बजे से 11 बजे तक प्रतिदिन शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क बगिया में सामूहिक विवाह के लिये आवेदन प्राप्त किये जा सकते हैं आज के शिविर में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा अल्पना कुमारी, अरविन्द सिंह, राहुल कुमार, गौरव कुमार, वैभव दीक्षित, अनुराधा गुप्ता, सीमा कुशवाहा, गोमती, याशमीन, सरला, त्रिप्ती खरे, कमलेश कुमार सिंह आदि शामिल थे।

तीर्थ नगरी वृंदावन अपराधी, नशाखोरी और जुआरियों की बन रही शरणस्थली

संवाददाता आलोक तिवारी

कानपुर। तीर्थ नगरी वृंदावन आजकल अपराधी, नशा कारोबारी और जुआरियों के लिऐ सबसे सेफ शरणस्थली बनती जा रही है बढ़े बढ़े आश्रम और धर्मशाला, गेस्ट हाउस मैं अपराधी आराम से अपने कामों के अंजाम देते रहते है। भला हो उन मुखबिरों का जो सोती हुई पुलिस प्रशासन को नीद से जगा कर अपनी जान जोखिम में डालकर सूचना देते है और अधिकारी उसे अपनी बहादुरी की कहानी के रूप मै पेश कर बहबाही लुटते है और बड़े बड़े इनाम और प्रमोशन लेते रहते है। वृंदावन मै पिछले कुछ दिनों से कई बड़े नशा कारोबारी पकढ़े गए जिनसे भारी मात्रा मै गांजा, भांग, स्मैक जैसी नशेली वस्तुओं को बरामद किया। कई नामी ग्रामी बदमाश भी वृंदावन से धर दवोचे गए थे। अभी कल तीर्थ नगरी में आगरा जनपद के जुआरी को जुआ खेलते हुए पुलिस ने एक गेस्ट हाउस से मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर धर दबोचा।वृंदावन परिक्रमा मार्ग के पानीघाट क्षेत्र स्थित गेस्टहाउस में चल रहे जुआघर में पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर 11 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जुआ के फड़ से पुलिस ने ताश की गड्डी समेत 3.27 लाख रुपये भी बरामद किए। गिरफ्त में आए सभी जुआरी आगरा के हैं। सीओ सदर आकाश सिंह व कोतवाली प्रभारी आनंद कुमार शाही की अगुवाई में शनिवार शाम पानीघाट क्षेत्र के तुलसीवन आश्रम के सामने श्रीकृष्ण कुंज गेस्टहाउस में पुलिस टीम ने छापा मारा तो ग्यारह जुआरियों को फड़ से दबोच लिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि उन्हें गेस्टहाउस में जुआ चलने की सूचना मिली थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने छापा मारा तो मौके पर जुआ खेलते 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने जुए के फड़ से ताश की गड्डी, दो कार व 3.17 लाख रुपये भी बरामद किए। गिरफ्त में आए जुआरियों में आगरा थाना ताजगंज के बगदा निवासी महेंद्र सिंह, बरोली अहीर निवासी गंदर्भ, नौपुरा निवासी तेज सिंह, मियांपुर निवासी संतोष, बरौली निवासी सुशील कुमार, गुतला निवासी निशांत तोमर, थाना बमरौली कटरा के नगला नाथू निवासी तोताराम, बमरौली कटरा निवासी सोनू, नीरज, बमरौली निवासी अमर सिंह, समशाबाद रोड गुतला निवासी रूपेश कुमार शामिल हैं।

भीषण गर्मी में राहगीरों को शरबत वितरण कर दी राहत

संवाददाता

कानपुर। इस गर्मी में राहगीरों को राहत रविवार को घंटाघर कैलाश बिल्डिंग के नीचे जय भोले बर्फ भंडार की बिक्री करता आजाद बर्फ वाले ने शरबत पिला कर राहत दिया है। शरबत वितरण स्थान पर टेंट लगाकर भोले बाबा की बर्फ की शिवलिंग बना कर वितरण किया गया है। इस भीषड़ गर्मी में राहगीरों को शरबत वितरण कर राहत देने का सहारनीय कार्य किया गया है। आजाद ने बताया कि इस भीषड़ गर्मी में राहगीरों को शरबत वितरण कर राहत देना है। यह कार्य पिछले कई सालों से अपने साथियों के साथ मिलकर कर रहे हैं। आज भी 1500 लीटर शरबत वितरण किया गया है। इस शरबत वितरण में मेरे साथी अनुप, गुड्डू गुप्ता,मलिक, राहुल जायसवाल, काशिफ अली, मो शरीफ, बंटोला मौजूद रहे हैं।

इंदौर से इनोवा कार से लाया गया पांच लाख का बकरा

मंडी में राजस्थानी बकरों की मांग अधिक

प्रयागराज(संवाददाता)। बकरीद नजदीक आने के साथ ही शहर की बकरा मंडियों में बोलियां लगने लगी हैं। इंदौर से लाए गए बकरे की बोली पांच लाख रुपये तक पहुंची। इस बकरे को इनोवा कार से लाया गया है। इसे बेली रोड के फर्नीचर व्यवसायी मुन्नू भाई ने खरीदा। ईद उल-अजहा यानी बकरीद सोमवार को है। पर्व नजदीक आने के साथ ही बकरा मंडियों में बकरा खरीदने वालों का तांता लगने लगा है। बकरीद जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे बकरा मंडी में खरीदारों की तादाद बढ़ रही है। शहर के हटिया, करैलाबाग, अस्करी मार्केट रोड करेली, अकबरपुर, नखासकोहना, बैरीयर, अटाला आदि स्थानों पर बकरा मंडी लग रही है।स्थानीय व्यापारियों के अलावा खीरी, मनौरी, असरावल, सल्लाहपुर और कौशाम्बी के सरायअकिल, भरवारी, मंझनपुर समेत कई ग्रामीण क्षेत्रों से भी पशु पालक बकरे बेचने मंडी आ रहे हैं। इस साल पशुओं के दाम पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ गए हैं। इससे खरीददारी पर असर पड़ रहा है। राजस्थानी बकरे लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। राजस्थानी बकरे देसी बकरों से आकार में बड़े होते हैं।हटिया बकरा मंडी में मूरतगंज से आए व्यापारी इकबाल अहमद ने बताया कि उनके पास कुल देसी और राजस्थानी 60 बकरों में 55 बिक चुके हैं। इकबाल इस बार 32,000 से 50,000 रुपये तक के बकरे बेच चुके हैं। बकरा लेने आए हटिया निवासी शमशेर अली ने बताया कि पिछले साल से इस साल बकरों के दाम लगभग दोगुने हैं। जो बकरे पिछले साल 6,000 से 7,000 रुपये में थे वह इस साल 10,000 से 13,000 रुपये में बिक रहे हैं। हटिया के चंदा पहलवान ने 1.25 लाख रुपये का बकरा खरीदा है। बकरा खरीदने आए बैरियर चौराहा, नूरउल्लाह रोड निवासी इजहार अहमद ने बताया कि चांद दिखने के बाद से ही कुबार्नी के लिए बकरे खरीदे जाने लगते हैं। बकरे की कुबार्नी बकरीद से लेकर तीन दिन तक चलती है।करैलाबाग रोड में पेड़ की छांव में बकरा बेच रहे खीरी निवासी हरिश्चंद्र ने बताया कि उनके पास 20,000 से 25,000 रुपये के सात राजस्थानी और देसी बकरे हैं। उन्होंने इन्हें 5,000-5,000 रुपये में पिछले साल बकरीद से पहले खरीदा था। उन्होंने बताया कि एक साल के ऊपर उम्र वाले बकरों को ही लोग कुबार्नी के लिए ले जाते हैं। एक साल से ज्यादा उम्र के बकरों की पहचान उनके दांत होते हैं।करेली के अस्करी मार्केट मोड के पास भी बकरें की मंडी लग रही है।

दिवाली से पहले मिलेगा आगरा और सहारनपुर वंदे भारत का तोहफा

प्रयागराज(संवाददाता)। दिवाली से पहले प्रयागराज को दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का तोहफा मिल जाएगा। यहां से सहारनपुर और आगरा के लिए वंदे भारत चलेगी। एक जुलाई से लागू होने वाली रेलवे की नई समय सारिणी में भी इन दोनों ट्रेनों को शामिल करने की कवायद चल रही है, हालांकि संचालन दिवाली तक होने की उम्मीद जताई गई है।पिछले वर्ष रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सहारनपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में सहारनपुर से प्रयागराज के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की थी। बताया जा रहा है केंद्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद सहारनपुर वंदे भारत को शुरू करने की कवायद शुरू हो गई है। सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस उत्तर रेलवे के अधीन चलनी है, इस वजह से इसका संचालन वाया मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ के रास्ते होने की संभावना है।प्रयागराज से सहारनपुर का सफर आठ से नौ घंटे में होने की बात कही जा रही है।वहीं, प्रयागराज से आगरा के लिए भी वंदे भारत का संचालन इसी वर्ष होना है। दिवाली से पहले इसका संचालन शुरू हो सकता है। इसका ठहराव कानपुर, इटावा और टूंडला में रहेगा। उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन इस संबंध में रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेज चुका है। सहारनपुर और आगरा के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस आठ-आठ कोच की रहेगी। प्रयागराज से आगरा का सफर तकरीबन पांच घंटे में पूरा होगा। चर्चा इसकी भी है कि आगरा वंदे भारत मथुरा जंक्शन से भी चलाई जा सकती है। ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी।

शार्ट सर्किट के चलते जल गई पोकलैंड मशीन

प्रयागराज(संवाददाता)। शनिवार को दोपहर लगभग तीन बजे नगर निगम के कचरा निस्तारण प्लांट बसवार में कचरे की छनाई कर रही लोडर मशीन पोकलैंड में अचानक आग लग गई। मशीन से धुआं निकलते देखा ऑपरेटर ने किसी तरह से उठकर जान बचाई।घूरपुर में स्थित नगर निगम के कूंडा निस्तारण प्लांट में काम पर लगे जेसीबी की पोकलैंड मशीन में आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते पोकलैंड मशीन से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते मशीन जल गई। शनिवार को दोपहर लगभग तीन बजे नगर निगम के कचरा निस्तारण प्लांट बसवार में कचरे की छनाई कर रही लोडर मशीन पोकलैंड में अचानक आग लग गई। मशीन से धुआं निकलते देखा ऑपरेटर ने किसी तरह से उठकर जान बचाई। लोगों ने पोकलैंड में लगी आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन मशीन में डीजल और अन्य पदार्थों के चलते आग विकराल हो गई।बाद में नलकूप चला कर किसी तरह से आग पर काबू पाया जा सका। पोकलैंड मशीन में आग लगने से प्लांट में अफरा तफरी मच गई। प्लांट के कर्मचारियों ने बताया कि जलने वाला पोकलैंड ठेकेदार का था। आग लगने की घटना मशीन में शार्ट सर्किट की वजह से बताई जा रही है। कार्यदाई संस्था हरी भरी के प्लांट मैनेजर आर उपाध्याय से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

सशर्त तबादला लेने वाले शिक्षक समान वेतन और प्रोन्नति के हकदार नहीं

प्रयागराज(संवाददाता)। सिशर्त तबादला पाने वाले प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने झटका दे दिया है। कोर्ट ने सशर्त तबादला पाने वाले प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को समान प्रोन्नति और वेतनमान देने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मनचाहा तबादला पाने के बाद समकक्ष अध्यापकों के समान प्रोन्नति और वेतन मांगना अपने ही वादों से मुकरने के समान है। ऐसे शिक्षक दोहरा लाभ नहीं ले सकते।यह टिप्पणी न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज और अन्य की ओर से दाखिल विशेष अपील को स्वीकार करते हुए की। बीएसए ने मनमर्जी तबादला पाने वाले प्राइमरी स्कूल के प्रधानाध्याकों और जूनियर हाईस्कूल के सहायक अध्यापकों के पक्ष में पारित एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए याची शिक्षक मनोरमा आदि की याचिका को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेज दिया। साथ ही, कोर्ट ने बीएसए को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का मौका भी दिया है।गौरतलब है कि अंतरजनपदीय तबादला नीति के अंतर्गत याची अध्यापकों ने मनचाहे जिलों में इस शर्त पर तबादला लिया था कि वे प्रोन्नति नहीं लेंगे और सहायक अध्यापकों के वरीयता क्रम में निचले पायदान पर ही कार्य करेंगे। बाद में, यह शिक्षक अपनी ही बात से मुकर गए और समकक्ष अध्यापकों के समान वेतनमान की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। तर्क दिया था कि उन्हें उनके समकक्ष अध्यापकों से कम वेतन दिया जा रहा है। पदोन्नति भी नहीं दी जा रही है।एकल पीठ ने अभय कुमार पाठक के मामले में स्थापित समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत के आधार पर याचिका स्वीकार करते हुए याची शिक्षकों को प्रोन्नति व वेतनमान देने का आदेश दिया था। इस आदेश को चुनौती देने वाली विशेष अपील पर सुनवाई के दौरान बेसिक शिक्षा परिषद के अधिवक्ता रामानंद पांडेय ने दलील दी कि याची शिक्षकों ने ऑनलाइन सशर्त तबादले के लिए आवेदन किया था।याचियों ने मनचाहे जिले मऊ में इस शर्त पर तबादला कराया था कि वे पदोन्नति व सहायक अध्यापक के पद पर ही काम करेंगे। लिहाजा, अब अपने समकक्ष अध्यापकों के समान लाभ की मांग नहीं कर सकते। कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए एकल पीठ का आदेश रद्द कर दिया। साथ ही, एकल पीठ को मूल याचिका लौटाते हुए नए सिरे से निस्तारण करने का आदेश दिया। कोर्ट ने बीएसए और याचीगण को चार हफ्ते में जवाबी हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया है।

गंगा दशहरा पर संगम में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

चिलचिलाती धूप पर भारी पड़ी आस्था

प्रयागराज(संवाददाता)। चिलचिलाती धूप और 46 डिग्री से अधिक तापमान की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर श्री बड़े हनुमानजी मंदिर, भगवान शिव और भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन पूजन किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते संगम जाने वाले सारे रास्तों पर जाम लग गया।गंगा अवतरण दिवस (गंगा दशहरा) पर रविवार को लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। भोर से ही श्रद्धालुओं के संगम तट पर पहुंचने का क्रम शुरू हो गया था। चिलचिलाती धूप और 46 डिग्री से अधिक तापमान की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर श्री बड़े हनुमानजी मंदिर, भगवान शिव और भगवान श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन पूजन किया।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते संगम जाने वाले सारे रास्तों पर जाम लग गया। जीटी जवाहर और अलोपी बाग से संगम की ओर जाने वाले वैकल्पिक मार्ग पर भीषण जाम के चलते भी लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।गंगा दशहरा के मौके पर संगम समेत राम घाट पर गंगा आरती और अन्य विशेष आयोजन किए गए हैं। रविवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं के संगम तट पर पहुंचने का दौर शुरू हो गया था। जनपद के अलावा बिहार, बंगाल, दक्षिण भारत, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया। हजारों वाहनों का रुख संगम की ओर होने के कारण जाम की स्थिति पैदा हो गई है। अलोपीबाग में फ्लाईओवर के निर्माण के चलते पहले से ही रास्ता अवरुद्ध है। वैकल्पिक रास्ते से आवागमन किया जा रहा है। जाम के चलते ट्रैफिफ पुलिस भी बेबस दिखी।गंगा स्नान का प्रमुख पर्व गंगा दशहरा जिले में धूमधाम से मनाया गया। संगम स्नान के सात ही दारागंज, दशाश्वमेघ, नागवासुकी, फाफामऊ, सरस्वती घाट, बोट क्लब, बलुआ घाट के अलावा अरैल, छतनाग नैनी आदि घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। गंगा घाटों पर मेले जैसा माहौल रहा।

डिकोडिंग के बाद अब अभ्यर्थी बताएंगे, कॉपी बदली या नहीं

प्रयागराज(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से पीसीएस जे मुख्य परीक्षा-2022 की 18 हजार से अधिक कॉपियों के फेक मास्टरकोड को डिकोड किए जाने के बाद कॉपियां अभ्यर्थियों को दिखाए जाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, कॉपियों की अदला-बदला के आरोप लगने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत कॉपियां देखने के लिए आवेदन कर रखे थे।पीसीएस जे मुख्य परीक्षा-2022 के एक अभ्यर्थी ने सूचना के अधिकार के तहत अपनी उत्तर पुस्तिका के अवलोकन के बाद दावा किया था कि अंग्रेजी विषय की कॉपी पर उसकी हैंडराइटिंग नहीं है। इसी आधार पर अभ्यर्थी ने कॉपी बदले जाने का आरोप लगाया था। मामला न्यायालय में जाने के बाद आयोग ने पीसीएस जे मुख्य परीक्षा में शामिल 3019 अभ्यर्थियों की 18042 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच शुरू करा दी थी।इसके तहत सभी कॉपियों के फेक मास्टरकोड को डिकोड किया जा रहा था, ताकि कॉपी की अदला-बदली का सच सामने आ सके। फेक मास्टरकोड को डिकोड किए जाने के बाद पता चल सकेगा कि कौन सी कॉपी किस अभ्यर्थी की है।

महाकुंभ पर यूपी रोडवेज चलाएगा सात हजार बसें

प्रयागराज(संवाददाता)। पिछले कुंभ में यूपी रोडवेज ने 500 नई बसें भेजी थीं, लेकिन इस बार यह संख्या 1000 होने जा रही है। इन नई बसों में से 550 बस का संचालन शटल सेवा के रूप में होगा। जौनपुर, गोरखपुर मार्ग पर यूपी रोडवेज झूंसी और दुर्जनपुर पर अस्थायी बस स्टेशन बनाएगा।विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में यात्रियों की आवाजाही के लिए यूपी रोडवेज ने सात हजार बसें चलाएगा। महाकुंभ के दौरान प्रदेश के तकरीबन सभी डिपो से प्रयागराज के लिए बसों का आवागमन होगा। प्रयागराज से प्रदेश के सभी 75 जिलों के साथ राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और बिहार के लिए भी बसें चलेंगी।पिछले कुंभ में यूपी रोडवेज ने 500 नई बसें भेजी थीं, लेकिन इस बार यह संख्या 1000 होने जा रही है। इन नई बसों में से 550 बस का संचालन शटल सेवा के रूप में होगा। जौनपुर, गोरखपुर मार्ग पर यूपी रोडवेज झूंसी और दुर्जनपुर पर अस्थायी बस स्टेशन बनाएगा। वाराणसी, गोपीगंज मार्ग के रोडवेज सरस्वती गेट के पास, रायबरेली-लखनऊ एवं अयोध्या मार्ग के लिए राजर्षि टंडन आवासीय परिसर फाफामऊ के सामने एवं बेला कछार से, कौशाम्बी-कानपुर मार्ग के लिए नेहरू पार्क के पास, रीवा-चित्रकूट-बांदा मार्ग के लिए अंध विद्यालय लेप्रोसी चौराहा, मिर्जापुर-विंध्याचल मार्ग के लिए सरस्वती हाईटेक सिटी के पास अस्थायी बस स्टेशन बनाया जाएगा।

नहीं रहे जिले के एकमात्र स्वतंत्रता सेनानी मकसूद उल्ला

प्रयागराज(संवाददाता)। मकसूद उल्ला 96 वर्ष की उम्र में भी काफी स्वस्थ थे। नियमित टहलना उनकी दिनचर्या में शामिल था। खाना को लेकर भी बहुत परहेज नहीं था। गणतंत्र दिवस या अन्य किसी काम से जब भी वे कलेक्ट्रेट आए सहारे की जरूरत नहीं हुई।जिले के एकमात्र स्वतंत्रता सेनानी सदर तहसील के अहमदपुर पावन गांव के मकसूद उल्ला का शनिवार को इंतकाल हो गया। वह 96 वर्ष के थे। शुक्रवार देर रात तेज बुखार आने के बाद उन्हें स्वरूपरानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बचाया नहीं जा सका तथा दिन में दो बजे उनका निधन हो गया और इसी के साथ प्रयागराज की धरती स्वतंत्रता आंदोलन के रणबांकुरों से खाली हो गई। रविवार को सुबह नौ बजे राजकीय सम्मान के साथ गांव के ही कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्दे खाक किया जाएगा।मकसूद उल्ला 96 वर्ष की उम्र में भी काफी स्वस्थ थे। नियमित टहलना उनकी दिनचर्या में शामिल था। खाना को लेकर भी बहुत परहेज नहीं था। गणतंत्र दिवस या अन्य किसी काम से जब भी वे कलेक्ट्रेट आए सहारे की जरूरत नहीं हुई। उनके पुत्र मोहज्जम मकसूद ने बताया कि दो दिन पहले तक उनकी यह दिनचर्या जारी रही, लेकिन शुक्रवार को अचानक बुखार हो गया।रात में उन्हें तेज बुखार हो गया, जिसके बाद पहले कॉल्विन अस्पताल ले जाया गया है। वहां के डॉक्टरों की सलाह पर स्वरूपरानी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन दिन में दो बजे इंतकाल हो गया। इसके बाद परिवार वाले मृतक शरीर को गांव लेते गए। मोहज्जम मकसूद ने बताया कि गांव के ही कब्रगाह में रविवार को सुपुर्दे खाक किया जाएगा।मकसूद उल्ला के निधन की सूचना के बाद प्रशासन की तरफ से एसडीएम सदर अभिषेक सिंह घर पहुंचे। एसडीएम सदर ने बताया कि राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार होगा। इसके तहत तिरंगा सौंपने के साथ सलामी भी दी जाएगी। मकसूद उल्ला के निधन की सूचना के बाद उनके आवास पर गांव के काफी लोग पहुंच गए थे।सरकारी व्यवस्था किस तरह लापरवाह और संवेदनहीन हो गई है इसका नमूना शनिवार को एक बार फिर देखने को मिला। जिले में बचे आखिरी स्वतंत्रता सेनानी मकसूद उल्ला को भी कॉल्विन से स्वरूपरानी अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिली। अंत में प्राइवेट गाड़ी से ले जाया गया।मकसूद उल्ला के पुत्र मोहज्जम मकसूद ने बताया कि तबीयत बिगड़ने पर वे लोग पहले कॉल्विन अस्पताल गए थे लेकिन वहां के डॉक्टरों ने स्वरूपरानी अस्पताल ले जाने के लिए कहा। इसके लिए एंबुलेंस को बुलाया गया। चिकित्सकों ने भी कई बार फोन किया, लेकिन जल्द एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाई।ऐसे में प्राइवेट गाड़ी से स्वरूपरानी ले गए। उनके निधन के बाद भी पार्थिव शरीर प्राइवेट गाड़ी से ही घर ले गए। मोहज्जम ने बताया कि मकसूद उल्ला को इमरजेंसी में भर्ती किया गया था। उन्हें प्राइवेट वार्ड में भर्ती कराने के लिए उन्होंने सुबह डीएम से मुलाकात की। डीएम ने प्राइवेट वार्ड में भर्ती के लिए लिखकर भी दे दिया था, लेकिन इससे पहले ही इंतकाल हो गया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में चाचा की मौत, भतीजा घायल

एटा(संवाददाता)। थाना बागवाला के गांव गढ़ी बेंदुला निवासी चाचा-भतीजे शनिवार को बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से सिढ़पुरा जा रहे थे। तभी रास्ते में ट्रैक्टर से टकराकर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज के लिए भेजा। जहां चाचा को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया और भतीजे का इलाज चल रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़ी बेंदुला निवासी जितेंद्र (35) अपने भतीजे अंशुल के साथ शनिवार को सिढ़पुरा जा रहा था। जैसे ही उसकी बाइक सिढ़पुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बकावली गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। इस हादसे में जितेंद्र व अंशुल गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से इनको मेडिकल कॉलेज भेजा। जहां जितेंद्र को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं अंशुल का उपचार चल रहा है। सूचना मिलते ही परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की।

एनएचएआई निधौली कलां कस्बा में बनाएगा बाईपास

एटा(संवाददाता)। जिला मुख्यालय से निधौली कलां-जलेसर होकर आगरा-एटा नेशनल हाईवे निर्माण का कार्य चल रहा है। इसकी शुरूआत मार्च में गांव नूंहखास से हो गई थी। इसके बाद से लगातार निर्माण कार्य कराया जा रहा है। कस्बा निधौली कलां में जाम की स्थिति और सिकुड़े मार्ग को लेकर एनएचएआई यहां बाईपास बनाने जा रहा है। इससे जहां कस्बे में लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। वहीं बाईपास होते हुए लोगों का सफर सुगम होगा।कस्बा निधौली कलां के पूर्वी दिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से बाईपास बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। यह बाईपास करीब साढ़े तीन किलोमीटर का होगा। इसके लिए जमीन का अधिग्रहण कर मुआवजा दिया जा रहा है। जिससे समय से कार्य पूरा किया जा सके। कस्बे में जाम की स्थिति रहती है, इसको लेकर लोगों को काफी समस्याओं से जूझना पड़ता है।

नगला गलू में तीन घरों से लाखों की चोरी

एटा(संवाददाता)। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत गांव नगला गलू में तीन लोगों के घर से शुक्रवार की रात लाखों की चोरी हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल के बाद चोरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।गांव नगला गलू निवासी मोहरपाल सिंह ने बताया कि उसके घर से लगभग 20 लाख रुपये के आभूषण चोरी किए गए हैं। वहीं पड़ोसी पंकज कुमार के घर से लगभग डेढ़ लाख रुपये के आभूषण और योगेश कुमार के घर से दो लाख रुपये के आभूषणों के साथ नकदी की भी चोरी की गई है। मोहरपाल ने बताया कि सब लोग खाना खाने के बाद छत पर सो गए। पता नहीं चला कब चोर आए और चोरी करके चले गए।इसी प्रकार पंकज कुमार और योगेश के यहां भी सभी लोग अपने-अपने कमरों में सोए हुए थे। कूलर की आवाज के चलते कुछ पता नहीं लगा और चोर हाथ साफ कर गए। तीनों ही घरों में लोगों को सुबह जागने के बाद जानकारी हुई कि उनके यहां से लाखों रुपये की चोरी हो गई है। थाना प्रभारी निर्दोष सिंह सेंगर ने बताया कि शुक्रवार की रात नगला गलू में तीन घरों से चोरी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। जांचकर कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही घटना करने वाले चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

शह-मात के खेल में 10 जिले के सौ खिलाड़ियों के बीच होगा मुकाबला

संवाददाता

कौशाम्बी। जिला शतरंज एसोसिएशन की ओर से रविवार को 16वीं आरएम गर्ग ऐपिड शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को होगा। मैच में 10 जिलों के करीब सौ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे हैं। 20 विजेता खिलाड़ियों के बीच 54 हजार रुपये का पुरस्कार वितरित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 15,13,11, नौ व सात वर्ष के उम्र के खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में जिले के कई स्कूलों व छात्राओं के बीच अलग से मुकाबला होगा। इनको भी एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। शतरंज एसोसिएशन के सचिव राधवेंद्र शुक्ला ने बताया कि कौशाम्बी के अंडर-11 खिलाड़ी प्रणव और अंडर-7 खिलाड़ी श्रीहरि बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बार के खेल से दोनों से उम्मीद हैं। इनके अलावा जिले के कई स्कूलों व छात्राओं के बीच मुकाबला होगा। प्रतियोगिता में करीब 100 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं।

190 में से सिर्फ 11 को मिला इंसाफ, आश्वासन लेकर लौटे 179 फरियादी

संवाददाता

कौशाम्बी। लोकसभा चुनाव की वजह से बंद रहा संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अब फिर से शुरू हो गया है। शनिवार को जिले की तीनों तहसीलों में पहला आयोजन हुआ। तीनों जगह 190 फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें से सिर्फ 11 शिकायतें ही निस्तारित हो सकीं। 179 फरियादियों को सिर्फ आश्वासन देकर लौटा दिया गया।सिराथू में आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम राजेश कुमार राय और एसपी बृजेश श्रीवास्तव फरियाद सुनी। टांडा से आई शोभा सिंह ने डीएम को बताया कि गांव के एक दबंग ने खलिहान की भूमि पर कब्जा कर लिया है। शिकायतों के बाद भी ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। डीएम ने एसडीएम को जांच करके तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। रमपुरवा के दारा सिंह ने गांव में एक शख्स द्वारा सरकारी भूमि पर मकान बनवाने और सड़क पर पिलर लगाकर रास्ता अवरूद्ध करने की शिकायत की।

मामूली विवाद में मां के हत्यारे बेटे को आजीवन कारावास

संवाददाता

कौशाम्बी। अपर जिला जज/फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम विष्णुदेव सिंह ने शनिवार को कोखराज कोतवाली इलाके में हुई महिला की हत्या के दोषी बेटे को उम्रकैद और अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना सात साल पहले मामूली विवाद को लेकर अंजाम दी गई थी।वादी अभियोजन के अनुसार कोखराज कोतवाली के अब्दुल्लाहपुर रोही निवासी राजपति देवी को मामूली विवाद में उसके बेटे कैलाश रैदास ने 30 मई 2017 की रात करीब 11 बजे पीठ में चाकू भोंक दिया। गंभीर रूप से जख्मी राजपति की इलाज के लिए ले जाते वक्त मौत हो गई। मामले में राजपति की बेटी ज्ञानमती ने कैलाश रैदास के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचनात्मक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी कैलाश रैदास के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमे का ट्रायल अपर जिला जज/फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम विष्णुदेव सिंह की कोर्ट में किया गया। राज्य की ओर से एडीजीसी अनिरुद्ध कुमार मिश्र ने वादी ज्ञानमती समेत कुल नौ गवाहों को न्यायालय में पेश करके गवाही कराई।

सम्पादकीय...

बराबरी का प्रश्न

निस्संदेह, दुनिया भर में लैंगिक समानता और महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक दिये जाने के लिये विभिन्न मंचों से लगातार आवाज उठती रही है। वहीं दुनिया के कई संगठन चुनिंदा आंकड़ों के जरिये पूरी दुनिया में लैंगिक स्थिति मापने का दावा भी करते रहे हैं। यह भी तथ्य है कि सदियों तक औपनिवेशिक शासन के अधीन रहने वाले विकासशील देश विकसित देशों की महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति का मुकाबला नहीं कर सकते। फिर दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले एक देश की तुलना छोटे देश आइसलैंड से कदापि नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़े नीति-नियंताओं को आत्ममंथन का मौका जरूर देते हैं। समाज के लिये भी यह विचारणीय प्रश्न है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है। निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर संकट वास्तविक है। जो हमारी विकास योजनाओं और नीतियों के व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता बता रही है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है। हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। हालांकि, किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। लेकिन विश्व आर्थिक मंच के आंकड़े हमें आत्ममंथन का अवसर जरूर उपलब्ध कराते हैं। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं।

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुबार्नी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आजादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुगार्दास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुबार्नी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्ठा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं। सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य?

मेषः- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभः- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अथाभार्ववश चिंता संभव।

मिथुनः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्कः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्याः- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुलाः- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनुः- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकरः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीनः- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

लोकसभा चुनाव- 2024 के नतीजे क्या बताते हैं?

वजाहत हबीबुल्लाह

लोकसभा के सात चरणों में हुए चुनावों के आखिरी दिन, 1 जून की शाम को मतदान समाप्त होने पर दृश्य और प्रिंट मीडिया कथित एग्जिट पोल से अटा पड़ा था जिसमें भाजपा को अपने बल पर भारी जीत मिलने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अपने सहयोगियों के साथ कम से कम 350 सीटें मिलने का दावा किया गया था। हर कोई इससे सहमत नहीं था लेकिन मीडिया के एक पूर्वाग्रही वर्ग ने संदेह जताने वालों का उपहास उड़ाया। इन एकतरफा मीडिया मुगलों ने प्रतिद्वंद्वी इंडिया गठबंधन का मजाक उड़ाया और उन लोगों का मजाक उड़ाया जिन्होंने कहा कि चुनाव बदल रहा है और सत्तारूढ़ गठबंधन उलटफेर का सामना कर रहा है। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक साक्षात्कार में अपनी स्व-घोषित अचूकता पर सवाल उठाए थे जिसमें उन्होंने भाजपा के लिए 300 से अधिक सीटों की भविष्यवाणी की थी। एग्जिट पोल के साथ स्पष्ट छेड़छाड़ वास्तव में एक अभियान की परिणति थी, जिसकी शुरूआत एक प्रमुख मीडिया हाउस के वरिष्ठ समाचार एंकर ने अपने फेसबुक पेज पर प्रकाशित किया था, श्अब की बार 400 के पारश। हालांकि, परिणाम बताते हैं कि वास्तव में नकली कौन हैं। अब जैसा कि हम जानते हैं कि 2024 में भारतीय जनता पार्टी को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने के बाद से सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा हैय और पूर्ण बहुमत से बहुत कम सीटें मिलीं, जिससे पार्टी मुख्य रूप से दो सहयोगियों पर निर्भर हो गई, जिन्हें इसके अपने नेतृत्व ने अतीत में बार-बार अस्थिर और अविश्वसनीय करार दिया है। उनमें से एक को भाजपा शासन में जेल जाना पड़ा था। दूसरी ओर इन परिणामों का जश्न उदारवादियों ने मनाया है, जिन्होंने इसे बहुसंख्यकवाद की ओर झुकाव के उलट और संवैधानिक शासन को बचाने के रूप में देखा है, जो इस बार एक मुद्दा बन गया- यह देखते हुए कि कुछ भाजपा उम्मीदवारों ने कथित तौर पर घोषणा की थी कि संविधान में संशोधन किया जाएगा। संवैधानिक परिवर्तन का डर भाजपा के इनकार की परवाह किए बिना पिछड़े समुदायों के बीच भाजपा के समर्थन आधार को खत्म कर रहा है। इसने युद्ध की रेखाएं खींच दीं, जिसका शायद कभी इरादा नहीं था, लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के नेताओं के गैरजिम्मेदाराना बयानों ने अपने लाखों साथी नागरिकों की नागरिकता के कानूनी आधार के बारे में केवल उनके धार्मिक संप्रदाय के आधार पर बयानबाजी की। इसने निश्चित रूप से भारत भर के मुस्लिम समुदाय को इंडिया गठबंधन के पीछे लामबंद कर दिया। केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में, जो मुस्लिम बहुल हैं, ये युद्ध रेखाएं नाटकीय रूप से स्पष्ट हैं परन्तु देश के अन्य हिस्सों में एक विवेकशील पर्यवेक्षक के लिए स्पष्ट हैं। लोकतांत्रिक विकल्प की जीत में अतीत में चुनाव बहिष्कार के लिए कुख्यात कश्मीरी बड़ी संख्या में स्थानीय राष्ट्रवादी नेशनल कॉन्फ्रेंस के पीछे लामबंद हो गए और यहां तक कि आजादी के एक समर्थक इंजीनियर रशीद यूएपीए के तहत जेल में बंद हैं। देश में भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासन ने उनके सामाजिक तनाव को और बढ़ा दिया है। भारतीय समाज के सभी वर्गों को संविधान में दिए गए विशेषाधिकारों को छोड़कर विशेष सुविधाओं के आनंद के लिए आश्वासन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को किसी भी आधार पर आर्थिक, सामाजिक या राजनीतिक भेदभाव से मुक्ति का आश्वासन दिया जाना चाहिए। अन्यथा भारतीय समाज में दरार आ जाएगी जो देश की स्थायी एकता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। यह आने वाली सरकार के लिए एक चुनौती है। इस सरकार के कम से कम दो प्रमुख घटक- जेडी(यू) और टीडीपी पहले ही इस मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा कर चुके हैं। क्या एनडीए इस मुद्दे पर जवाब खोजेगा या इस मुद्दे पर झुक जाएगा क्योंकि इस मामले पर विरोधाभासी भावनाएं प्रबल हैं? फिर भी परिणाम एक विविध राजनीति के बहुलवादी चरित्र के अनुरूप हैं।

संविधान बदलने का मुद्दा भाजपा पर पड़ा भारी

प्रो. रविकांत

उनके लिए संविधान सिर्फ एक कानून की किताब नहीं, केवल अधिकारों की गारंटी नहीं बल्कि बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों और सपनों का संग्रह भी है। यह भी गौरतलब है कि पिछले एक दशक से जिन राज्यों में दलित समाज के बीच बहुजन नायकों की जयंतियां मनाई जा रही हैं, संविधान की प्रस्तावना दोहराई जा रही है, वहां इस बार भाजपा को शिकस्त झेलनी पड़ी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। देश के सबसे बड़े सूबे की 80 लोकसभा सीटों में 17 सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। यूपी में दलित आबादी 21.5 फीसदी है। इसमें आधी आबादी करीब 11 फीसदी केवल जाटव समाज है। जाटव समाज बीएसपी का मूल समर्थक रहा है। लेकिन इस चुनाव में मायावती एक भी सीट नहीं जीत सकीं। उनका वोट प्रतिशत भी 1995 की स्थिति में पहुंच गया...

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई। हालांकि एनडीए को मिली 293 सीटों पर जीत के साथ नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे। ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मोदी के अहंकार की हार है। इससे मोदी का गुरुर टूटा है। लेकिन भारत जैसे सामंती समाज में क्या अहंकार को इतना निकृष्ट माना जा सकता है? भाजपा के पास पूंजी, प्रबंध और प्रचार तंत्र की व्यापक मौजूदगी के बावजूद नरेन्द्र मोदी की हार का असली कारण क्या है? यह भी सच है कि राम मंदिर राजनीतिक मुद्दा नहीं बनने के बावजूद जनवरी-फरवरी में विपक्ष बहुत उत्साहित नहीं था। विपक्ष ना तो एकजुट था और ना ही उसके पास संसाधन थे। कांग्रेस का बैंक खाता सील कर दिया गया था। चुनाव के पहले से लेकर चुनाव के दरमियान भी विपक्षी नेताओं पर ईडी और इनकम टैक्स की छापेमारी होती रही। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जैसे दो मुख्यमंत्री जेल भेज दिए गए। सैकड़ों विपक्षी नेताओं को ईडी के डर और प्रलोभन के जरिए भाजपा में शामिल कराया जाता रहा। यानि विपक्ष को निहत्था बनाकर नरेंद्र मोदी 400 सीटें जीतने के इरादे से चुनावी मैदान में दाखिल हुए। इसी उत्साह या अहंकार में नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया। 400 सीटें क्यों जीतना है? इस पर भाजपा के अनेक नेताओं और प्रत्याशियों ने बेबाक बयान दिए। उनका कहना था कि संविधान बदलने के लिए इतना बड़ा बहुमत चाहिए। संविधान बदलने का मतलब है कि हिंदू राष्ट्र बनाना और मनुस्मृति के आधार पर नया संविधान लिखा जाना। भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण यही नारा बना। संविधान बदलने की बात पर सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया दलित समाज में हुई। इसका असर आदिवासी और पिछड़े समाज में भी हुआ। लेकिन दलितों के लिए यह सिर्फ अधिकारों का नहीं बल्कि भावुकता का भी मुद्दा बना। उनके लिए संविधान सिर्फ एक कानून की किताब नहीं, केवल अधिकारों की गारंटी नहीं बल्कि बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों और सपनों का संग्रह भी है। यह भी गौरतलब है कि पिछले एक दशक से जिन राज्यों में दलित समाज के बीच बहुजन नायकों की जयंतियां मनाई जा रही हैं, संविधान की प्रस्तावना दोहराई जा रही है, वहां इस बार भाजपा को शिकस्त झेलनी पड़ी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। देश के सबसे बड़े सूबे की 80 लोकसभा सीटों में 17 सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। यूपी में दलित आबादी 21.5 फीसदी है। इसमें आधी आबादी करीब 11 फीसदी केवल जाटव समाज है। जाटव समाज बीएसपी का मूल समर्थक रहा है। लेकिन इस चुनाव में मायावती एक भी सीट नहीं जीत सकीं। उनका वोट प्रतिशत भी 1995 की स्थिति में पहुंच गया। इस बार बसपा को केवल 9.43 फीसदी वोट मिले। बसपा किसी सीट पर दूसरे स्थान पर भी नहीं आ सकी। इसका बड़ा कारण मायावती द्वारा भतीजे आकाश आनंद को बीच चुनाव में नेशनल कोऑर्डिनेटर और उत्तराधिकारी पदों से हटाया जाना रहा। जाटव समाज का पढ़ा-लिखा और जागरूक तबका संविधान बदलने की मुनादी करने वाली भाजपा को हराने के लिए बसपा को छोड़कर इंडिया एलाइंस की ओर चला गया। हालांकि इसकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। लेकिन इस बार बड़ा प्रभाव गैर जाटव वोट में दिखाई दिया। यह समाज भाजपा से निकलकर बड़े पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ गया। इसकी मूल वजह संविधान बदलने का नारा बना। गैर-जाटव जातियों में कोरी, पासी और धोबीय ये तीन जातियां विशेष रूप से इंडिया गठबंधन के साथ आईं। इसके अतिरिक्त वाल्मीकि, सोनकर, धानुक, मुसहर और खरवार आदि जातियों का एक हिस्सा भाजपा से निकलकर इंडिया गठबंधन के साथ गया। यही कारण है कि 2019 में सुरक्षित 17 सीटों में से 14 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार बड़ा झटका लगा। इस चुनाव में विपक्ष को 9 सुरक्षित सीटों पर जीत मिली है। इनमें 7 पर सपा, 1 पर कांग्रेस और नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद चुनाव जीते। जाहिर तौर पर सामान्य सीटों पर भी दलित वोट के निकलने से भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ। संविधान बचाने के इस चुनाव को सबसे ज्यादा राहुल गांधी ने प्रभावित किया। 1989 से कांग्रेस पार्टी यूपी की सत्ता से बाहर है। 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली थी। इस चुनाव में कांग्रेस ने यूपी में 18.2 फीसदी वोट हासिल करके 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि 2014 में वह केवल अमेठी और रायबरेली सीट पर ही जीत सकी। 2019 में राहुल गांधी भी अमेठी हार गए। केवल सोनिया गांधी ही अपनी सीट बचा सकीं। लेकिन 2024 के चुनाव में राहुल गांधी ने अपने हाथ में संविधान लेकर जब कहा कि नरेंद्र मोदी और भाजपा बाबा साहब का संविधान बदलना चाहते हैं तो दलित समाज उनके साथ खड़ा हो गया। सामाजिक न्याय, आरक्षण बढ़ाने और जातिगत जनगणना के मुद्दों ने राहुल गांधी को विशेषकर अति पिछड़ों में लोकप्रिय बनाया। मुस्लिम समाज तो भारत जोड़ो यात्रा से ही कांग्रेस की ओर मुड़ने लगा था। इन तमाम मुद्दों ने राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय बना दिया। चुनाव बाद हुए सर्वेक्षण में यूपी के 36 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की बात कही जबकि केवल 32 फीसदी लोग ही नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री देखना चाहते थे। रोजगार के सवाल से लेकर सामाजिक सुरक्षा और संविधान बचाने की इस लड़ाई में राहुल गांधी सबसे विश्वसनीय चेहरा बनकर उभरे। दलित, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यकों में आज राहुल गांधी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी को यूपी की जनता ने बहुत पसंद किया। यही कारण है कि जहां कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं, वहीं सपा ने 37 सीटों पर जीत हासिल की। 2004 में मुलायम सिंह यादव ने 36 सीटों पर जीत हासिल की थी। अखिलेश यादव ने इस बार अपने पिता का रिकॉर्ड तोड़ा। सपा के प्रति दलितों की नाराजगी इस बार नहीं दिखाई दी। इसके दो कारण हैं। अखिलेश यादव ने पहली बार चुनाव में बाबा साहब अंबेडकर का नाम लिया और संविधान बचाने के मुद्दे को उठाया। इसके अतिरिक्त उन्होंने जाटव और पासी समाज को अपेक्षा से अधिक प्रतिनिधित्व दिया। मेरठ और अयोध्या सामान्य सीटों पर उन्होंने दलित प्रत्याशी मैदान में उतारे। अयोध्या से अवधेश प्रसाद पासी ने पड़े बहुमत से जीत हासिल की। इस बार अयोध्या में नया नारा दिया गया-ना मथुरा ना काशी, अयोध्या में अवधेश पासी! संविधान बचाने का मुद्दा इतना असरदार था कि दलित समाज की दो बड़ी जातियां-कोरी और धोबी को इंडिया गठबंधन द्वारा एक भी टिकट नहीं दिए जाने के बावजूद बड़े पैमाने पर इन जातियों ने सपा और कांग्रेस को वोट दिया। यही कारण है कि यूपी में 75 सीटें जीतने का सपना देखने वाली भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। 70 फीसदी से अधिक दलित वोट भाजपा के विरोध में गया। यह भी गौरतलब है कि दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर बहुत मुखर रहे चंद्रशेखर आजाद को नगीना सीट पर जीत मिली। एक तरफ मायावती की राजनीति का अवसान दिख रहा है तो चंद्रशेखर आजाद की जीत को दलित राजनीति के नए विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। मायावती का जाटव वोट आने वाले समय में जाटव समाज से आने वाले चंद्रशेखर आजाद के साथ शिफ्ट हो सकता है।

संक्षिप्त सामाचार

अमेरिका नासा एनएसएस अईएसडीएस सम्मेलन -2024 में

लखनऊ (संवाददाता)। श्री चैतन्या स्कूल ने मचायी धूम, श्री चैतन्या स्कूल की एकेडमी डायरेक्टर श्रीमती सीमा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका के नासा के निर्देशन मे नासा के द्वारा चलाए गए अईएसडीएस सम्मेलन मे दुनिया के चारो ओर से करीब 30 देशो के सैकड़ो छात्र उपस्थित हुए। उनमे 167 छात्र श्री चैतन्य के ही है। विशेष बात यह कि दुनिया की किसी भी विधा संस्था के इतने सारे छात्र इस सम्मेलन मे चयनित नही हुए। हाल ही मे आयोजित अमेरिका के नासा के निर्देशन मे एनएसएस द्वारा चलाए गए स्पेस सेटलमेंट कॉन्टेस्ट मे सिर्फ भारत से ही 28000 छात्र शामिल हुए। लेकिन एक मात्र श्री चैतन्य से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 639 ने भाग लिया। उनमे विनिग प्रोजेक्ट जीतकर कमशः 11वी बार दुनिया मे नम्बर एक विश्व चैम्पियन के रूप मे खडा है। डायरेक्टर श्रीमती सीमा जी ने बताया कि विनिग प्रोजेक्ट मे world First Prize 7 प्रोजेक्टो को World Second Prize 11 प्रोजेक्टो को World Third Prize 15 प्रोजेक्टो और 29 प्रोजेक्टो को Honourable Mentions मिला है। श्रीमती सीमा डायरेक्टर ऑफ श्री चैतन्या ने इस संदर्भ मे अमेरिका के लॉस एंजिल्स CA मे मनाए गए। अईएसडीएस सम्मेलन मे पुरस्कृत सभी छात्रो को, उनके माता पिता को आध्यापको एव सह कर्मचारियो को हार्दिक बधाई दी।

थूक लगाकर मसाज करने का वीडियो वायरल, सैलून कर्मचारी हिरासत में

लखनऊ (संवाददाता)। शामली के बाद अब राजधानी लखनऊ का एक वीडियो सामने आया है जिसमें सैलून कर्मचारी थूक लगाकर युवक के चेहरे पर मसाज करता दिख रहा है। ये पूरा मामला सुशांत गोल्फ सिटी थाने का बताया जा रहा है। कर्मचारी जैद को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दरअसल उन्नाव के रहने वाले कैंटीन संचालक आशीष कुमार ने पुलिस में शिकायत की थी। जिसके बाद दूकान में लगा सीसीटीवी फुटेज चेक किया गया। जिसमें जैद थूक लगाकर मसाज करता दिखा था। बताते चलें कि शामली में थूक लगाकर मसाज करने के मामले में अमजद नाम के युवक को हिरासत में लिया गया था।

देश भर में ईद उल अजहा आज

नमाजियों के लिए ऐतिहासिक ईदगाह पूरी तरह तैय्यार

लखनऊ (संवाददाता)। ईद उल अजहा खुदा के दो पैगम्बरों हजरत इब्राहीम और आप के बेटे हजरत इस्माईल अलै0 की यादगार है। खुदा की राह में अपनी जान व माल की कुबार्नी देना एक आशिकाना अमल है। खुदा पाक ने अपने इन दोनों बन्दों के इस आशिकाना अमल को इतना पसन्द फरमाया कि हजारों वर्ष से आज तक ईद उल अजहा में मुसलमान बन्दे और बन्दियॉ खुदा की राह में अपने महबूब माल की कुबार्नी पेश करते आ रहे हैं। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह व काजी शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने किया। वह ईद उल अजहा की तैय्यारियों के सिलसिले में लोगों से सम्बोधित थे। मौलाना फरंगी महली ने इन मर्द व ख्वातीन पर जोर दिया जिन पर कुबार्नी वाजिब है कि वह खुदा की रजा के लिए पूरी खुशी से बेहतर से बेहतर जानवरों की कुर्बानियॉ करें। कुबार्नी के गोश्त में, अपना, अपने घर वालों, दोस्तों और जरूरत मन्दों के हिस्से लगायें। उन्होने कहा कि प्रदेश की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज के लिए तैय्यारियॉ मुकम्मल हो गयी हैं। इस ऐतिहासिक मैदान में लाखों की संख्या में मुसलमान नमाज अदा करते हैं। मौलाना ने कहा कि ईद उल अजहा की नमाज के मौके.पर सख़्त गर्मी से निजात के लिए खुदा पाक के हुजूर में बारिश के लिए दुआ की जायेगी ।उन्होंने कहा कि कुबार्नी के जानवरों की आने जाने में किसी प्रकार की रूकावट न लगाई जाए। कुबार्नी जो कि 17, 18 और 19 जून 2024 को की जायेगी, इन दिनों में भी सफाई के विशेष प्रबन्ध सुनिश्चित किये जायें। मौलाना ने मुसलमानों से यह भी अपील की कि कुबार्नी की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें और उन्होने कहा कि यह जरूर ध्यान में रखें कि सड़क या आम रास्ते पर नमाज अदा न करें।

ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति की दरों मे वृद्धि असहनीय मार: प्रमोद तिवारी

लखनऊ (संवाददाता)। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने प्रदेश में पावर कारपोरेशन के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति की दरों मे दो रुपए प्रति यूनिट की वृद्धि के मसौदे को जनता पर मंहगाई की एक और असहनीय सरकारी वार करार दिया है। उन्होने कहा कि इस समय भीषण गर्मी तथा लू के चलते प्रदेश की जनता बिजली आपूर्ति में खामियों के कारण त्राहि त्राहि कर रही है। उन्होने तंज कसा कि सरकारी भाषणों मे सरकार बिजली गिरा तो रही है पर बिजली बनाने का उसे जरा सा भी फिक्र नही है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रदेश भर में अभूतपूर्व बिजली कटौती के साथ गरीब उपभोक्ताओं के भीषण गर्मी में बेरहमी से बिजली के कनेक्शन काट दिये जा रहे हैं। वहीं उन्होने ट्रांसफार्मर क्षमता के साथ सरकार के स्टाक में उपलब्ध नही होने के कारण ओवरलोडिंग के चलते इनके जल उठने को भी सरकारी कुप्रबन्धन की विफलता कहा है। रविवार को रामपुर खास के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि अभूतपूर्व बिजली कटौती के साथ नहरों में पानी नही है। उन्होने कहा कि सिंचाई के लिए बिजली भी उपलब्ध नही है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि नहरों मे पानी न आने तथा कमजोर विद्युत आपूर्ति के कारण किसान धान की नर्सरी तैयार नही कर पा रहा है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकारी क्षेत्र में सिंचाई के कुप्रबंधन का सीधा दुष्परिणाम किसान को फसल उत्पादन में अपनी गाढ़ी कमाई खो देने की चिन्ता साल रही है। उन्होने बिजली दरों को ग्रामीण उपभोक्ताओं को मंहगे दर पर किये जाने के पावर कारपोरेशन के फैसले को प्रदेश की भाजपा सरकार के इशारे पर जनता पर बोझ करार दिया है। उन्होनें तंज कसा कि यूपी में लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के खिलाफ गये हैं इससे लगता है कि सरकार मंहगाई को थोपकर अपने प्रतिशोध की खींझ में आ गयी है।

मां गंगा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि का वास हो: योगी

गंगा दशहरा पर सीएम
योगी ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ (संवाददाता)। ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा मनाए जाने का विधान है। आज यानी 16 जून को गंगा दशहरा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या और हरिद्वार के गंगा घाटों पर भी भारी भीड़ है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गंगा दशहरा पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने एक संदेश में कहा, मोक्षदायिनी, जीवनदायिनी, राष्ट्रीय नदी मां गंगा के अवतरण दिवस गंगा दशहरा की प्रदेशवासियों व सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! माँ गंगा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि व आरोग्यता का वास हो, यही प्रार्थना है। जय मां गंगे!

86 केंद्रों पर हो रही यूपीएससी परीक्षा, मंडलायुक्त और व्ड ने केंद्रों का किया निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस परीक्षा रविवार को राजधानी में 86 केंद्रों पर आयोजित हुई है। प्रशासन की तरफ से सभी केन्द्रों पर 1-1 स्थानीय पर्यवेक्षको को नियुक्त किया गया हैं। परीक्षा दो पालियों में हो रही हे। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से दोपहर 11.30 बजे तक हुई है। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2.30 से 4.30 बजे तक होगी। जिलाधिकारी ने बताया है कि पेपर परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट ने पुलिस एस्कार्ट के साथ पहुंचाये हैं। आयोग की तरफ से केंद्रों पर परीक्षाओं को कराया जाये, साथ ही वहां व्यवस्था का जायजा लेने के लिए मंडलायुक्त और डीएम ने रविवार को परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया है। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब व जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार नव युग कन्या इंटर कॉलेज पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सभी केंद्र व्यवस्थापको को नकल विहीन पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा डीएम ने राजकीय जुबली इंटर कॉलेज, बप्पा नारायण वोकेशनल गर्ल्स कालेज और एपी सेन मेमोरियल इंटर कालेज का भी जायजा लिया और वहां की व्यवस्था जांची।

विधानसभा उपचुनाव को लेकर सपा-कांग्रेस में मंथन, 10 में से 3 सीट की डिमांड कर सकती है कांग्रेस

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में सपा-कांग्रेस गठबधन 10 सीटों पर उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। दरअसल, जिन सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से ज्यादातर सीटों पर भाजपा और सपा के उम्मीदवार ही जीते हैं, हालांकि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने यूपी 40 सीटों पर जीत दर्ज की है। इस से सपा कांग्रेस के हौसले बुलद हैं ऐसे में माना जा रहा है कि विधानसभा उपचुनाव में दोनो पार्टी एक बार फिर गठबंधन के साथ चुनाव लड़ कसती है। सूत्रों की मानें तो 10 में से 3 विधानसभा सीटे गठबंधन के तहत मांग कांग्रेस पार्टी मांग कर सकती है।आप को बता दें कि जिन विधान सभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है। उसमें से चार विधानसभा सीटें सपा विधायकों के सांसद बनने से हुई है खाली है करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर और कुंदरकी की सीट है जबकि कानपुर की सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी की सदस्य रद्द होने की वजह से रिक्त हुई है। शेष सीटें एनडीए विधायकों के सांसद बनने से मीरापुर, गाजियाबाद, खैर, फूलपुर, मझवा की सीट खाली हुई है। माना जा रहा है कि कांग्रेस को लोकसभा में छह सीटों पर सफलता मिली है। इस कारण पार्टी को संजीवनी मिल गई है। ऐसे में वह उपचुनाव में कुछ सीटों की डिमांड कर सकती है। हालांकि, इसमें ज्यादातर सीटें सपा के पाले की हैं, ऐसे में यह लोग सपा से कितना मोल भाव कर सकते हैं। यह समय बताएगा। सियासी जानकार बताते हैं कि ताजा चुनाव परिणाम से उत्साहित कांग्रेस व सपा दोनों की नजर अभी से अगले विधानसभा चुनाव पर है. इससे पूर्व 10 सीटों पर उपचुनाव दोनों दलों के लिए आपसी रिश्तों व प्रदर्शन के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा।

ईवीएम के इस्तेमाल की जिद के पीछे की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ करें: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर एक बार फिर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीटर कहा किटेक्नॉलजी समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए, तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। आज जब विश्व के कई चुनावों में म्टड को लेकर गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है और दुनिया के जाने-माने टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ईवीएम में हेराफेरी के खतरे की ओर खुलेआम लिख रहे हैं, तो फिर म्टड के इस्तेमाल की जिद के पीछे की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ करें। उन्होंने कहा कि आगामी सभी चुनाव बैलेट पेपर (मतपत्र) से कराने की अपनी मांग को हम फिर दोहराते हैं। दरअसल, ट्विटर के मालिक इलॉन मस्क का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए। इसके मनुष्यों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा हैक किए जाने का रिस्क है। मस्क ने प्यूर्टो रिको में हुए प्राइमरी इलेक्शन में ईवीएम में सामने आईं बड़ी खामियों के बाद यह बात कही। गौरतलब है कि प्यूर्टो रिको के चुनाव आयोग ने कहा है कि ईवीएम में मिली गड़बड़ियां हैरान करने वाली हैं। इसलिए आयोग ईवीएम सप्लाई करने वाली अमेरिकी कंपनी के साथ हुए अनुबंध की समीक्षा कर रहा है। आयोग की अंतरिम अध्यक्ष जेसिका पैडिला रिवेरा ने कहा है कि एक सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ईवीएम में कई गड़बड़ी हुई। इन्हें अमेरिकी कंपनी डोमिनियन वोटिंग सिस्टम ने सप्लाई किया है।

एक्स प्लेटफार्म पर युवाओं ने चलाई मुहिम

रिक्त पदों को भरने की सीएम की घोषणा का ब्लूप्रिंट पेश करे सरकार: युवा मंच

लखनऊ (संवाददाता)। युवाओं ने एक्स प्लेटफार्म (ट्विटर) पर चलाई गई मुहिम में यूपी में 6 लाख रिक्त पदों पर तत्काल पारदर्शी भर्ती को लेकर आवाज बुलंद की। लोक सभा चुनाव उपरांत समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा सभी रिक्त पदों को भरने का आदेश दिया गया है। इसी तरह की पूर्व में की घोषणाओं के अमल में न आने से युवाओं में संशय व अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अगर इस बार सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई घोषणा के प्रति सरकार जरा भी ईमानदार है तो रिक्त पदों को भरने को लेकर ब्लूप्रिंट पेश किया जाए और चयन संस्थाएं सभी रिक्त पदों को भरने समयबद्ध भरने के लिए कलैंडर जारी करें। इसके अलावा प्रदेश में सृजित व रिक्त पदों और 7 वर्षों में अनुपयोगी बता खत्म किए गए पदों का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए। विभिन्न स्त्रोतों से उपलब्ध जानकारी के अनुसार बिजली, सिंचाई, जल निगम, नगर निगम, परिवहन निगम, आईटीआई व पालीटेक्निक समेत अन्य विभागों में तकनीकी संवर्ग के एक लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं जोकि सृजित पदों का करीब 50 फीसद है। इन पदों को भरने के बजाय आऊटसोर्सिंग की जा रही है। पुलिस विभाग में भी एक लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं। यहां तक कि प्रशासनिक अधिकारियों के 20 हजार से ज्यादा पद रिक्त पड़े हुए हैं। विधानसभा में सरकार द्वारा जानकारी दी गई है कि परिषदीय विद्यालयों में 1.26 लाख और माध्यमिक विद्यालयों (शासकीय व अशासकीय) में शिक्षकों व अशैक्षणिक संवर्ग में 61 हजार पद रिक्त हैं। समूह ग के करीब एक लाख पद रिक्त हैं। राज्य सभा में विगत वर्ष जानकारी दी गई कि यूपी के परिषदीय विद्यालयों में 1.39 लाख पदों को 2021 के बाद खत्म किया गया है। प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी समेत अन्य तमाम विभागों में लाखों सृजित पदों को अनुपयोगी बता खत्म किया जा चुका है। इसके बाद भी प्रदेश में 6 लाख से ज्यादा पद रिक्त पड़े हुए हैं। परिषदीय विद्यालयों में 46 हजार नियमित बीपीएड शिक्षक व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षकों के पदों का सृजन और संविदाध्आऊटसोर्सिंग भर्ती पर रोक का मुद्दा भी उठाया गया। युवाओं ने बताया कि जल्द ही जनता दरबार में इन सवालों को मुख्यमंत्री के समझ उठाया जाएगा। इस मौके पर युवा मंच ने पीएम मोदी को एक्स हैंडल पर पोस्ट कर नीट पेपर लीक व धांधली प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में समयबद्ध सीबीआई जांच की मांग की गई। अभियान में संचालित करने वाले प्रमुख लोगों में युवा मंच संयोजक राजेश सचान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ई. राम बहादुर पटेल, संदीप निराला, अंकित, अभिषेक पटेल अयोध्यावासी, हरि मंगल यादव, वीर देव, संकल्प गर्ग, मनोज पटेल, प्रेमपाल बरेली, विक्रम प्रसाद मौर्य, ई. आर. प्रताप, आशीष कुमार, अभिषेक यादव, अमित मोदनवाल, श्वेतांक शुक्ला, मनोज पटेल, मोहित कुमार, दिनेश कुमार मौर्य, संजय पटेल, प्रवेश प्रजापति समेत बड़ी संख्या में युवा शामिल रहे।

मायावती बहुजन आंदोलन से विमुख हो गईं: आर के चौधरी

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापकों में शुमार समाजवादी पार्टी (सपा) के मौजूदा सांसद आर. के. चैधरी ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में बसपा की करारी पराजय के लिए पार्टी प्रमुख मायावती की बहुजन आंदोलन से विमुखता को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के नारे के साथ बहुजन की मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश की मोहनलालगंज सीट से सपा के नवनिर्वाचित सांसद चैधरी ने बसपा के गिरते ग्राफ तथा पार्टी के संस्थापक कांशीराम के मिशन के भविष्य समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस वक्त उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति नेतृत्वविहीन हो चुकी है, लेकिन आने वाले समय में सपा कांशीराम द्वारा जगाई गई बहुजनवाद की अलख को परवान चढ़ाएगी। लोकसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिलने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर चैधरी ने मायावती पर निशाना साधते हुए कहा, मायावती हमारी नेता रही हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। मगर कांशीराम जी का आंदोलन अगर किसी ने खत्म किया है तो वह बहन जी (मायावती) ने ही खत्म किया है और उस आंदोलन को आगे बढ़ाने के रास्ते पर अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चलना शुरू किया है। लोकसभा चुनाव में सपा को दलितों का भी काफी वोट मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, बहुजन समाज पार्टी के समर्थकों के वोट इस बार बिना मांगे सपा को मिले हैं। कहीं 50 प्रतिशत तो कहीं 60 प्रतिशत मिले। यह बहुत बड़ी बात है और मान्यवर कांशीराम ने जो अलख जगाई है उसे आने वाले समय में निश्चित रूप से अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी पूरा करेगी।

स्टूडेंट्स ने सूर्यनमस्कार का अभ्यास, विश्वविद्यालय में योग माह का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण एवं निर्देशन में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रविवार को सुबह 5.30 गोमती नदी के तट पर सूर्यनमस्कार का अभ्यास किया गया। सूर्य को सूर्य देवता माना जाता है, जिन्हें ब्रह्मांड का निमार्ता माना जाता है और वैदिक परंपरा में सूर्य चेतना और ईश्वर का प्रतीक है। इस प्रकार, सूर्य नमस्कार को सबसे महत्वपूर्ण योग अभ्यासों में से एक माना जाता है। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोर्डिनेटर डॉ.अमरजीत यादव ने बताया कि सूर्य नमस्कार योगासनों में सर्वश्रेष्ठ है। यह अकेला अभ्यास ही हमारे सम्पूर्ण शरीर का व्यायाम करा देता है। इसके दैनिक अभ्यास से हमारा शरीर निरोगी, स्वस्थ और चेहरा ओजपूर्ण हो जाता है। महिलायें, पुरुष, बच्चे, वृद्ध, सूर्य नमस्कार सभी के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसके अभ्यास से पेट की चर्बी घटती है, शरीर को डीटॉक्स करता, मन की हर चिंता और तनाव को दूर करता है।

खटिया मिल में लगी आग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के बाजारखाला एरिया में स्थित खटिया मिल में रविवार दोपहर भयंकर आग लग गई। आग लगते ही मिल में काम में करने वाले मजदूरों में अफरातफरी मच गई। लोग बचने के लिए भागने लगे। घटना की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई और टीम वहां पहुंचकर आग को कंट्रोल कर रही है। वंही रविवार को सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर फायर स्टेशन सरोजनी नगर कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि औरंगाबाद खालसा एसबी स्कूल के पीछे कूड़े में आग लग गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी निर्देश पर एफएस सरोजनी नगर से यूनिट इंचार्ज फायर टेंडर यूनिट के साथ घटनास्थल पहुंचे।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष पर गुंडा एक्ट, लखनऊ पुलिस ने की कार्रवाई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस ने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेट के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। यह कार्रवाई लोकसभा चुनाव के खत्म होते ही की गई। जॉइंट कमिश्नर कार्यालय से कार्रवाई का नोटिस जारी किया गया। अनीस राजा के ऊपर शहर के अलग-अलग थानों में 7 से ज्यादा मुकदमें दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक आरती नगर, गढ़ी कनौरा, आलमबाग के रहने वाले अनीस राजा उर्फ अनीस अहमद (42) पुत्र हाजी रसीद के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है। अनीस के खिलाफ लखनऊ के अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज है। नोटिस में बताया गया कि अनीस लखनऊ के दबंग, मनबढ़ और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। इसके खिलाफ सरकारी कर्मचारी व सरकारी कामों में बाधा डालने के कई मामले दर्ज हैं। इसके आपराधिक कामों के कारण लोगों के बीच में काफी डर है। थाने में कोई रिपोर्ट लिखाने व गवाही देने का साहस नहीं कर पाता है। जिसके चलते कार्रवाई की गई। आलमबाग, बाजारखाला, हजरतगंज, कैसरबाग क्षेत्र में कई मामले दर्ज हैं। कई मामले ऐसे हैं जिसमें लोग अनीस राजा के खिलाफ रिपोर्ट लिखने के लिए तैयार नहीं है। 9 जून 2022 को रात 10.30 बजे अनीस राजा ने अपने पड़ोसी मोहम्मद सारिक से गाली गलौज व मारपीट की थी। जिसको बचाने उसका परिवार आया तो उनको भी अपने साथियों के साथ मिलकर मारा पीटा था। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया था।

योग जागरूकता रैली निकाली गई, 21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह योग के प्रति जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। यह आयोजन उत्तर प्रदेश आदर्श योग समिति द्वारा कराया गया। रैली को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष व आदर्श योग समिति के संरक्षक संजय गुप्ता, चिरंजीव भारती स्कूल के निदेशक कर्नल राजा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली की शुरूआत जोनल पार्क आशियाना से हुई और चिरंजीवी भारती स्कूल सेक्टर-एम में समापन किया गया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सिंह गौर ने बताया 21 जून को चिरंजीव भारती स्कूल सेक्टर आशियाना में योग दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। आशियाना क्षेत्र के सभी पार्कों में सुबह योगाभ्यास करने वाले लोग सामूहिक रूप से योग करेंगे। योग जागरूकता वाहन रैली में बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया वाहन पर महिलाएं और पुरुष सवार होकर निकले। इसके अलावा रैली में योग जागरूकता का रथ भी साथ में चलता रहा। मौजूद लोगों ने करो योग रहो निरोग के नारे भी लगाए। आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि योग के माध्यम से ही स्वस्थ रहा जा सकता है। स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए नागरिकों का स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने सभी से योग अपनाने की अपील की। इस अवसर पर डेनियल हेल्थ केयर के मैनेजिंग डायरेक्टर राज दुबे, वरिष्ठ समाजसेवी संजय मिश्रा, सरस मिश्रा, एसके कंस्ट्रक्शन के मैनेजिंग डायरेक्टर (प्रदेश संयोजक) शैलेश कुमार श्रीवास्तव शैलू, इको गार्डन के योगाचार्य ओमप्रकाश श्रीवास्तव, संजीव नारायण, बुद्ध पार्क नंबर 3 के योगाचार्य राजकुमार शुक्ला, रजनी शुक्ला, अन्नु, आलोक सिंह मौजूद रहे। साथ ही बुद्धा पार्क नंबर 2 से आरडी वर्मा, जोनल पार्क योग कक्षा से पीडी वर्मा, सुनील मौर्य, एलडी चैबे, पूनम सक्सेना, मधुलिका शुक्ला, कुसुम वर्मा, सायरा, दीपा, कौशल्या सिंह, हंसा, राकेश श्रीवास्तव, भानू प्रताप सिंह, राय साहब आदि शामिल रहे।

दवाइयों से भरी पिकअप में लगी आग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बीती रात करीब 12 बजे आरटीओ ऑफिस के पास खड़ी गाड़ी में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दो फायर टेंडर से आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब 30 मिनट बाद आग पर काबू पा लिया गया। अग्निशमन अधिकारी सरोजनी नगर के सुमित प्रताप सिंह बताया कि दवाइयों से भरी पिकअप लोडर गाड़ी में आग लगी थी, जिसे कंट्रोल कर लिया गया है। गाड़ी मालिक अजय नारायण द्विवेदी पुत्र शिवनाथ द्विवेदी ने बताया कि इस पिकअप से दवाइयों की सप्लाई की जाती है।

अभी तक नहीं खरीद पाए हैं फादर्स डे का गिफ्ट, तो ये रहे कुछ परफेक्ट ऑप्शन्स

फादर्स डे पर पापा को गिफ्ट करने के लिए अगर आप भी कुछ बेहतरीन ऑप्शन तलाश रहे हैं, तो यह आर्टिकल आप ही के लिए है। यहां हम आपको उन्हें तोहफे में देने के लिए कुछ ऐसे ऑप्शन्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें देखते ही उनके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाएगी।

ग्रूमिंग किट

फादर्स डे पर आप अपने पापा को किसी बढ़िया कंपनी की ग्रूमिंग किट खरीदकर दे सकते हैं। बता दें, जिंदगी भर आपकी जरूरतों को पूरा करते-करते वह खुद पर ध्यान देना ही भूल जाते हैं। ऐसे में, शेविंग क्रीम, लोशन और स्क्रबर जैसी चीजें उनके लिए काफी यूजफुल साबित होंगी और आपका दिया यह तोहफा उन्हें खूब पसंद आएंगा।

स्मार्ट वॉच

इस खास दिन पर आप अपने पापा को स्मार्ट वॉच भी गिफ्ट कर सकते हैं। भले ही, पहली नजर में उन्हें यह फिजूल का खर्च लगे, लेकिन जब आप उन्हें इसके फीचर्स और इस्तेमाल का तरीका बताएंगे, तो यकीन मानिए वह भी इसे रोज पहनते हुए नजर आएंगे। इससे न सिर्फ वह अपनी हेल्थ को मॉनिटर कर सकते हैं, बल्कि आसानी से फोन कॉल और मैसेज भी अटेंड कर सकते हैं।

फुट मसाजर

आपके पापा को पैरों के दर्द से आराम दिलाने के लिए फुट मसाजर भी एक बढ़िया गिफ्ट साबित हो सकता है। मार्केट में आज इसके ढेरों ऑप्शन्स मौजूद हैं, जिन्हें बेहद कम दाम पर भी खरीदा जा सकता है। यह मैनुअल और इलेक्ट्रॉनिक दोनों की कैटेगरी में उपलब्ध होता है और आपके पापा को डेली लाइफ में बेहद काम आ सकता है।

ब्लूटूथ स्पीकर्स

अगर आपके पापा भी गाने या भजन सुनना पसंद करते हैं, तो आप उन्हें ब्लूटूथ स्पीकर्स भी गिफ्ट कर सकते हैं। ऐसे में वह जब-जब इसका यूज करेंगे, तो आपके दिए गिफ्ट की तारीफ जरूर करेंगे।

आपका लुक खराब करने लगा है लटकता बेली फैट

तो इन 5 नेचुरल हर्ब्स से करें इसे कम

बेली फैट न सिर्फ देखने में शरीर को बेडौल बनाता है, बल्कि अंदरूनी स्तर पर भी ये शरीर को कई प्रकार के नुकसान पहुंचाता है। बेली फैट ज्यादा होने से ये डायबिटीज, हार्ट अटैक, डिमेंशिया, कोलोन और पैंक्रिएटिक कैंसर जैसी बीमारियों को न्योता देता है। ये हमारे हार्मोन्स को भी प्रभावित करता है, जिससे हमारी भूख बढ़ती है, साथ ही थकान सी महसूस होती है और ब्रेन की कार्यशैली भी धीमी पड़ जाती है।

स्ट्रेस हमारे बचाव की प्रक्रिया को ट्रिगर करता है, जिससे और भी फैट इकट्ठा होते जाता है, खास तौर से लिवर,किडनी, पेट और आंतों के आसपास यह ज्यादा जमा होता है, जिसे बेली फैट कहते हैं। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए बैली फैट को कम करना बेहद जरूरी है। आप स्वस्थ जीवनशैली और सही खानपान से बेली फैट कम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ नेचुरल हर्ब्स भी बेली फैट को कम करने के मदद कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ हर्ब्स के बारे में–

इन हर्ब्स से घटाएं बैली फैट

हल्दी

इसमें मौजूद करक्यूमिन शरीर के अंदर गर्मी बढ़ाता है, जिससे बॉडी फैट बर्न होता है और मेटाबोलिज्म बूस्ट होता है। यह अल्जाइमर डिजीज से भी बचाता है। सब्जी, सूप, चाय या दूध में डाल कर इसका सेवन कर सकते हैं।

अदरक

यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने के साथ ही शुगर या कार्ब रिच फूड का सेवन करने के तुरंत बाद होने वाले शुगर स्पाइक से भी बचाता है। हल्दी की ही तरह इसकी भी थमोर्जेनिक प्रॉपर्टी होती हैं, जिसकी वजह से यह शरीर के अंदर जा कर गर्मी पैदा करते हैं और फैट बर्न और मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में मदद करते हैं।

ओरिगेनो

यह एक पेरेनियल हर्ब है, जो कि पुदीने से जुड़ा हुआ हर्ब है। इसमें मौजूद कार्वाक्रोल शरीर में ऐसे प्रोटीन और जींस को टारगेट करता है, जो शरीर में फैट सिंथेसिस करने में मदद करते हैं। इस तरह इन्हें टारगेट कर के ओरिगेनो वजन कम करने में भी मदद करता है।

थाइम

सब्जियों पर या मीट पर सीजनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला थाइम एक परफेक्ट हर्ब है। इसमें मौजूद थायमॉल नाम का केमिकल मेटाबॉलिज्म में सुधार लाता है और वेट लॉस करने में मदद करता है।

दालचीनी

खाने का स्वाद दोगुना करने वाली दालचीनी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। यह कई तरह के फायदे भी पहुंचाता है। इसके इस्तेम ब्लड शुगर कंट्रोल करता है, क्रेविंग कम करता है और देर तक पेट भरे होने का एहसास दिलाता है, जिससे बेली फैट कम होता है।

अपने बच्चों को बनाना है सफल और अच्छा इंसान

बच्चों को सिखाएं ये अच्छी आदतें

इंसान बड़ा हो या फिर बच्चा अच्छी आदतों को अपनाने में थोड़ा समय तो लगता ही है। ऐसे में, बचपन में लगी अच्छी आदतें एक अच्छे व्यक्तित्व और अच्छे समाज का निर्माण करती हैं। वैसे भी बचपन में लगी आदतें ताउम्र साथ रहती हैं और उन्हें बदलने की कोशिश करने में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए अगर बच्चों में बचपन से ही अच्छी आदतों का पालन किया जाए, तो ये आदतें उनका उम्र भर साथ निभाती हैं। ऐसे में बच्चों के बेहतर शारीरिक और मानसिक विकास में, पैरेंटिंग का अच्छा होना सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोजाना में कुछ आदतों को शामिल करके आप बच्चों के अच्छे व्यवहार और बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में।

डेली पढ़ने का समय निर्धारित करें

अपने बच्चों को पढ़ने की आदत लगाने के लिए डेली उन्हें सुबह या शाम या रात में किसी भी समय कम से कम 20 मिनट पढ़ने की आदत जरूर डालें। इसके लिए रात में सोने से पहले कहानी या फिर उनके पसंद की किताबों का एक अध्याय पढ़ना उनकी बौधिक विकास में सहायक होता है।

ध्यान के लिए योग की आदत

बच्चों का दिमाग चंचल होता है, जिसकी वजह से उनका ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है। ऐसे में बच्चों में ध्यान और फोकस को बढ़ाने के लिए योग और ध्यान करने की आदत जरूर डालें।

हेल्दी फूड्स की आदत

बच्चों में बचपन से ही हेल्दी फूड जैसे कि ड्राई फ्रूट्स या जूस, दाल, दूध, हरी सब्जियां जैसे हेल्दी फूड्स खाने की आदत डालनी चाहिए।

शारीरिक गतिविधियों की आदत डलवाएं

बच्चों को जिंदगी में हमेशा एक्टिव रखने के लिए, हमेशा शारीरिक गतिविधियों में उन्हें बिजी रखें । ऐसा करने से मूड, एनर्जी लेवल और संज्ञानात्मक क्रियाओं में सुधार होता है।

आभार प्रकट करने की आदत डालें

बच्चों को डेली तीन ऐसी चीजों को लिखने की आदत डालें जिसके लिए वे ईश्वर के आभारी हैं। साथ ही, थैंक यू, एक्सक्यूज मी बोलना भी सिखाएं।

कलात्मक शौक

डेली बच्चों में पेंटिंग फिर ड्रॉइंग जैसे कलात्मक विकास के लिए समय निर्धारित करें। जिससे उनकी व्यक्तिगत शक्तियों का विकास होता है।

सोना है महत्त्वपूर्ण

बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए 8 घंटे की पर्याप्त नींद लेने की आदत डालें, जो उनके स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

सहानुभूति

अपने बच्चों में बचपन से ही दयालुता और सहानुभूति की भावना का विकास करने के लिए उनसे ऐसे कार्य करवाएं जैसे कि गरीबों की मदद करना।

रोज की भागदौड़ ने कमजोर कर दी है आपकी याददाश्त

ब्रेन यानी दिमाग हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। यह शरीर के कई कार्यों को नियंत्रित करता है। आपका दिमाग विजन, साउंड, गंध और स्वाद जैसे सेंसेस को महसूस करने में मदद करता है। हमारे मस्तिष्क में कई जटिल भाग होते हैं, जो मिलकर काम करके आपको विभिन्न कार्य करने में मदद करते हैं। हालांकि, बदलती लाइफस्टाइल और काम के बढ़ते प्रेशर की वजह से लोग अक्सर मानसिक रूप से थके हुए रहते हैं।

साथ ही आजकल खानपान की गलत आदतों की वजह से भी लोगों याददाश्त कमजोर होने लगी है। ऐसे में जरूरी है कि शरीर के सही ढंग के काम के लिए दिमाग की फंक्शनिंग को बेहतर बनाया जाए। ऐसे आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे हर्ब्स के बारे में, जो आपकी ब्रेन फंक्शनिंग को बेहतर बनाने में मदद करेंगी।

ब्रेन हेल्थ बेहतर करेंगे ये हर्ब्स

ब्राह्मी

ब्राह्मी (बाकोपा मोनिएरी) कई मायनों में सेहत और बालों के लिए फायदेमंद होता है। यह मानसिक स्वास्थ्य को भी फायदा पहुंचाती है। ब्राह्मी कोग्नेटिव फंक्शन, मेमोरी और एकाग्रता को बढ़ाती है। साथ ही इसे तनाव और चिंता को कम करने और पूरे मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है।

शंखपुष्पी

शंखपुष्पी मस्तिष्क और पूरे मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर याददाश्त बनाए रखने और सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। साथ ही यह मन को शांत करता है, एकाग्रता में सुधार करता है और बेहतर नींद को बढ़ावा देता है।

हल्दी

आमतौर पर मसाले के तौर पर इस्तेमाल होने वाली हल्दी भी आपके ब्रेन फंक्शन को सुधारने में मदद कर सकती है। इसमें करक्यूमिन होता है, जो सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके मस्तिष्क स्वास्थ्य का समर्थन को बेहतर बनाता है। यह एक नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट है, जो याददाश्त और मूड को बेहतर बनाने में मदद करता है।

बकरीद के मौके पर बटोरना चाहते हैं लाइमलाइट

ईद अल अजहा, जिसे बकरीद के नाम से भी जाना जाता है, इस साल 17 जून को मनाया जाएगा। यह इस्लामिक कैलेंडर के 12वें महीने जुल-हिज्जा के दसवें दिन मनाया जाता है। यह त्योहार इस्लाम धर्म के लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए बकरीद की तैयारियों में लोग काफी दिनों पहले से जुट जाते हैं। इस खास त्योहार के लिए आउटफिट भी कुछ खास होना चाहिए। इसलिए बकरीद के मौके के लिए हम सेलेब्रिटीज से इंस्पायर्ड कुछ आउटफिट आइडियाज लाए हैं, जिसमें आप काफी खूबसूरत दिखेंगी। आइए जानें।

हानिया आमिर का बेबी पिंक सूट

अपने ईद लुक के लिए आप हानिया आमिर के इस पिंक सूट से आइडिया ले सकती हैं। हल्के गुलाबी रंग के इस सूट पर सिल्वर रंग के धागे की एंब्रॉइडरी की गई है। इसके साथ उन्होंने कुछ न्यूड पिंक मेकअप किया है और बालियां पहनी हैं। अगर आप भी इस ईद पर कुछ लाइट पहनना चाहती हैं और अपना लुक सिंपल लेकिन एलिगेंट बनाना चाहती हैं, तो आप ये लुक ट्राई कर सकती हैं।

इक्रा अजीज का ऑरेंज सूट

इस ईद पर आप इक्रा अजीज के इस ऑरेंज सूट लुक से प्रेरणा ले सकते हैं। इस लुक में इन्होंने नारंगी रंग का सूट पहना है, जिसपर मिनिमल एंब्रॉइडरी हो रखी है। यह लुक भी काफी सिंपल लेकिन सुंदर लगेगा। इसके साथ आप कोई हैवी ईयरिंग पहन सकती हैं, जो आपके सिंपल कुर्ते के साथ खूब जचेगा।

हीना खान का नेवी ब्लू सूट

टीवी एक्ट्रेस हीना खान के इस नेवी ब्लू सूट जैसा आप भी कुछ ट्राई कर सकती हैं। यह पटियाला सूट डिजाइन है, जिसके कुर्ते पर काफी हैवी एंब्रॉइडरी का काम हो रखा है। इसके साथ आप कोई हल्के ईयरिंग पहन सकती हैं और अपना मेकअप भी हीना की तरह ही लाइट और न्यूड रखें।

ईक्रा अजीज का ब्लैक सूट

शरारा डिजाइन में बना यह सूट ईद के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इस सूट पर सफेद रंग की एंब्रॉइडरी की गई है, जो इसे बेहद खूबसूरत बना रहा है। इसके साथ आप चांद बालियां या अन्य कोई बालियां पहन सकती हैं। साथ ही हाफ अप डू हेयर स्टाइल से इस आउटफिट का लुक काफी निखरकर आएगा।

सारा अली खान फलक का आसमानी रंग का सूट

इस ईद अगर आप कोई हल्का रंग पहनना चाहती हैं, तो सारा खान का यह आसमानी रंग का सूट आपके लिए बिल्कुल सही रहेगा। इसके साथ सफेद रंग का प्लाजो और नीले रंग का दुपट्टा खूब जच रहा है। इसके साथ आप कोई भारी ईयरिंग पहने, जिससे आपका लुक बैलेंस हो जाएगा और स्पेशल भी लगेगा।

वॉक करना या सीढ़ियां चढ़ना, वेट लॉस और हेल्दी रहने के लिए क्या है ज्यादा फायदेमंद

वॉकिंग या सीढ़ियां चढ़ना: कौन बेहतर

वॉक करना हो या सीढ़ी चढ़ना दोनों को ही बेहद जरूरी और हेल्दी वर्कआउट माना जाता है। इनके अनेकों फायदे हैं। ये दोनों ही शरीर के निचले हिस्से को मजबूत बनाते हैं और मांशपेशियों को टोन करते हैं। कई लोग मॉर्निंग या इवनिंग वॉक तो कर लेते हैं, लेकिन अलग से सीढ़ियां चढ़ने की एक्सरसाइज बहुत कम लोग करते हैं।

हालांकि, कई लोगों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है कि वजन कम करने में ज्यादा कारगार क्या है, वॉक करना या सीढ़ियां चढ़ना? अगर आपके मन में भी अक्सर यह सवाल रहता है, तो आज हम आपको बताएंगे कि वेट लॉस के लिए दोनों में से कौन ज्यादा बेहतर होता है।

वॉक करना या सीढ़ियां चढ़ना- कौन बेहतर

वॉक करते समय शरीर एक सीधी लकीर जैसी दिशा में चलती है, लेकिन सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते समय शरीर खड़ी होकर एक एंगल में मुड़ती है, जिससे मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है और पैर की मांसपेशियां स्टेबल हो कर मजबूत होती हैं। चढ़ते समय शरीर ग्रेविटी के खिलाफ जा रहा होता है। इससे पैरों की मांसपेशियों पर जो खिंचाव होता है, इससे ये मजबूत होने के साथ टोन होती हैं।

वॉक करते समय मात्र पंजों पर दबाव पड़ता है। वहीं, सीढ़ियां चढ़ते समय पैर, पंजे, घुटने, एड़ी सभी हिस्सों पर दबाव पड़ता है और इनकी एक्सरसाइज होती है, जिससे पैरों की ताकत बढ़ती है।

वॉक करने की तुलना में सीढ़ियां चढ़ने में अधिक मेहनत लगती है, जिससे ये एक इंटेंस वर्कआउट की श्रेणी में आता है। इससे स्टैमिना बूस्ट होता है और एनर्जी बढ़ती है।

वॉक के लिए संभवतः लोगों को बाहर कहीं पार्क या खुली जगह में जाना मजबूरी होती है, लेकिन सीढ़ियां आप कहीं भी चढ़ सकते हैं, फिर वो घर हो या ऑफिस हो या फिर कोई मॉल हो।

वॉक करने की तुलना में सीढ़ियां चढ़ने से अधिक कैलोरी बर्न होती है और साथ ही हार्ट, लंग्स और मांसपेशियां अधिक मजबूत होते हैं।

इन बिंदुओं से ये साफ होता है कि सीढ़ियां चढ़ना ज्यादा फायदेमंद होता है, लेकिन अगर आपको किसी प्रकार की घुटने की या सांस फूलने की समस्या है, तो डॉक्टर के निदेर्शानुसार ही सीढ़ियां चढ़ें।

बेहतर पाचन से लेकर दिल को हेल्दी बनाने तक

कच्चा प्याज खाने से सेहत को मिलते हैं ढेरों फायदे

प्याज एक ऐसी सब्जी है, जो लगभग हर भारतीय रसोई में इस्तेमाल की जाती है। इसे आमतौर पर सब्जी बनाने या अन्य व्यंजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसे ज्यादातर लोग पकाकर ही खाना पसंद करते हैं, क्योंकि इसे कच्चा खाने की वजह से कई बार मुंह से दुर्गंध आने लगती है। ऐसे में कई लोग इसे खाने से बचते हैं। खासकर लोग इस कच्चा खाने से परहेज करते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि कच्चा प्याज सेहत के लिए काफी गुणकारी होती है।

इसे अपनी डाइट में शामिल करने से आपको ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है, जो डायबिटीज या इसके हाई रिस्क वाले व्यक्तियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। आइए जानते हैं कच्चा प्याज खाने के कुछ फायदे–

कैंसर से बचाए

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि प्याज में मौजूद कंपाउंड में कैंसर-विरोधी गुण हो सकते हैं, जिसके वजह से यह कुछ प्रकार के कैंसर को रोकने में मददगार साबित होता है।

बेहतर पाचन

कच्चे प्याज में फाइबर होता है, जो पाचन में सहायता करता है और स्वस्थ आंत को बढ़ावा देता है।

कच्चा प्याज खाने के फायदे

इम्युनिटी मजबूत करे

कच्चे प्याज में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद कर सकती है, जिससे शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद मिलती है।

गठिया से राहत दिलाए

अगर किसी को गठिया की समस्या है, जो कच्चा प्याज इसमें काफी मददगार साबित होगा। इसमें मौजूद कंपाउंड में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण हो सकते हैं, जो गठिया जैसी स्थितियों में राहत दिला सकते हैं।

हार्ट हेल्थ बेहतर बनाए

कच्चा प्याज डाइट में शामिल करने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करके हार्ट हेल्थ बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

पोषक तत्वों से भरपूर

कच्चा प्याज विटामिन सी और बी6, फोलेट और पोटेशियम जैसे कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिससे आपके पूरे स्वास्थ्य को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

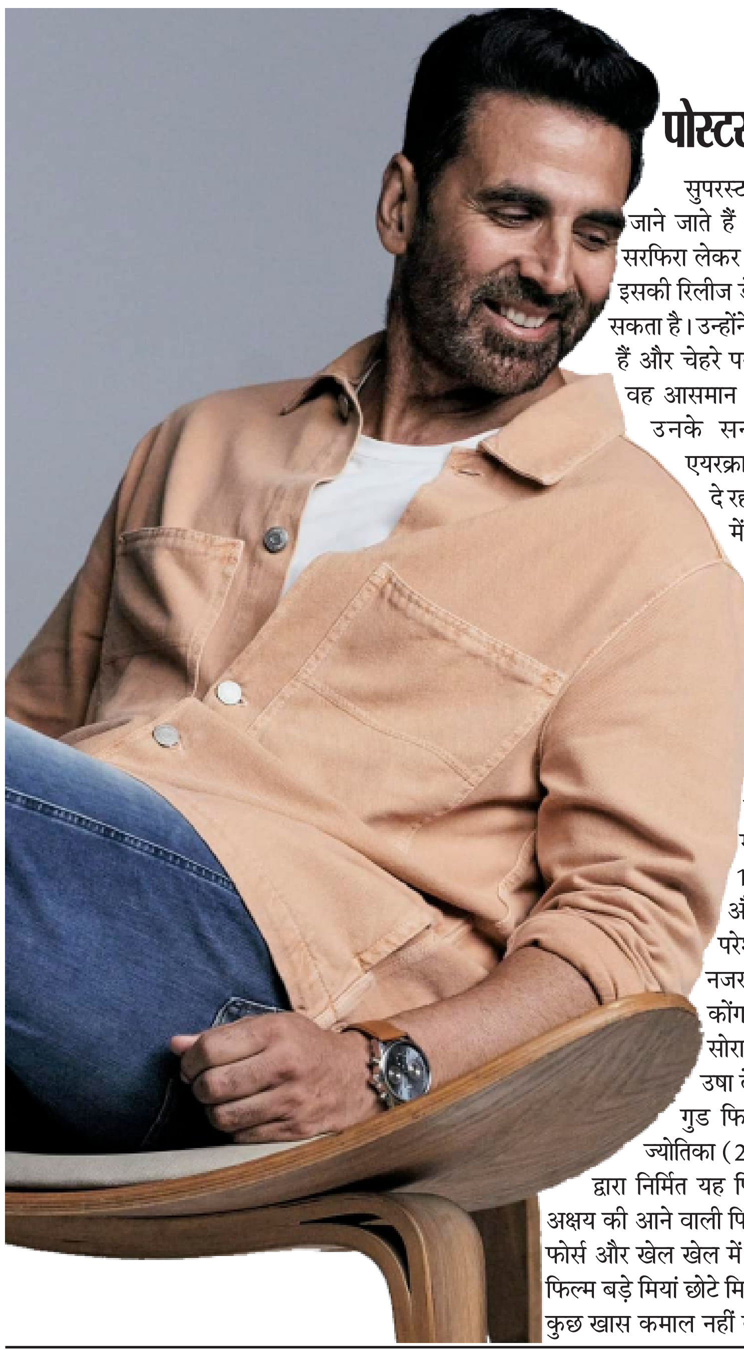

अक्षय कुमार ने सरफिरा का पहला पोस्टर किया रिलीज, रफ लुक में आए नजर

सुपरस्टार अक्षय कुमार साल में एक से ज्यादा मूवीज करने के लिए जाने जाते हैं और इसी ट्रेंड को फॉलो करते हुए वह अपनी नई फिल्म सरफिरा लेकर आ रहे हैं। एक्टर ने फिल्म का पहला पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया। पोस्टर में एक्टर को रफ लुक में देखा जा सकता है। उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए हैं और चेहरे पर हल्की दाढ़ी है और वह आसमान की ओर देख रहे हैं। उनके सनग्लासेस में ऊपर एयरक्राफ्ट की झलक दिखाई दे रही है। हल्की छोटी दाढ़ी में वो काफी हैंडसम लग रहे हैं। पोस्टर पर टैगलाइन लिखा हुआ है, सपने इतने बड़े देखो कि लोग तुम्हें पागल कहें।

SARFIRA
DREAM SO BIG, THEY CALL YOU CRAZY
12TH JULY 2024
ONLY IN CINEMAS

एक्टर ने कैप्शन में लिखा, एक ऐसे आदमी की कहानी... जिसने बड़े सपने देखने की हिम्मत की! मेरे लिए यह एक कहानी है, एक किरदार है, एक फिल्म है, जीवन भर का एक मौका है! सरफिरा का ट्रेलर 18 जून को रिलीज होगा। फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में अक्षय और राधिका मदान की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, परेश रावल और सीमा बिस्वास जैसे सितारे अहम किरदारों मे नजर आएंगे। फिल्म का डायरेक्शन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने किया है। यह साउथ सुपरस्टार सूर्या की तमिल फिल्म सोरारई पोटरु की रीमेक है। फिल्म की कहानी सुधा और शालिनी उषा देवी ने लिखी है और डायलॉग पूजा तोलानी के हैं। केप ऑफ गुड फिल्म्स की अरुणा भाटिया, साउथ के सुपरस्टार सूर्या और ज्योतिका (2डी एंटरटेनमेंट) और विक्रम मल्होत्रा (अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बात करें अक्षय की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे वेलकम टू द जंगल, हॉउसफुल, स्काई फोर्स और खेल खेल में जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। इससे पहले अक्षय कुमार की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां ईद के मौके पर रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी।

मायरा मिश्रा ने भाग्य लक्ष्मी के सेट पर बनाई स्पेशल कड़क मसाला चाय, बताई यूनिक रेसिपी

लोकप्रिय टीवी सीरियल भाग्य लक्ष्मी के सेट पर एक्ट्रेस मायरा मिश्रा ने अपनी ऑन-स्क्रीन फैमिली के लिए स्पेशल कड़क मसाला चाय बनाई और सभी को पिलाई। एक्ट्रेस ने शाम के ब्रेक के दौरान सभी के लिए अदरक और पुदीने की चाय बनाई। सीरियल में मायरा, मलिष्का का रोल निभा रही हैं। अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए, मायरा ने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी कोई परेशानी नहीं, जिसे एक कप चाय से सुलझाई न किया जा सके। चाय सिर्फ पीने की चीज नहीं है, यह एक इमोशन है। मेरा दिन एक कप चाय के साथ शुरू होता है। मेरे पास एक स्पेशल रेसिपी है जिसमें मैं चाय की पत्ती, चीनी और दूध डालने से पहले पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां, अदरक और इलायची डालती हूं। यह फ्लेवर को बढ़ाता है और अगर आपको सर्दी, सिरदर्द है या थकावट भरा दिन है तो यह उसमें मदद करती है। उन्होंने कहा, एक दिन, मैंने अपने पूरी शभाग्य लक्ष्मीश फैमिली के लिए चाय बनाई और उन्हें यह बहुत पसंद आयी। हमने कुछ पकौड़े भी मंगवाए। यह एकदम परफेक्ट कॉम्बिनेशन था। इस शो में लक्ष्मी का रोल ऐश्वर्या खरे और ऋषि का किरदार रोहित सुचांती निभा रहे हैं। शो में स्मिता बंसल, उदय टिकेकर, नीना चीमा और पारुल चैधरी भी लीड रोल में हैं। भाग्य लक्ष्मी जी टीवी पर प्रसारित होता है। हाल ही में मायरा मिश्रा ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड राजुल यादव से सगाई की है, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। राजुल पेशे से डर्मेटोलॉजिस्ट है और दिल्ली के रहने वाले हैं।

हनी सिंह ने सोनाक्षी-इकबाल की शादी की पुष्टि की

कहा- जरूर आउंगा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ 23 जून को शादी करने जा रही हैं, हालांकि इस पर अभी तक न ही सोनाक्षी और न ही जहीर की ओर से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट आया है। लेकिन सिंगर और रैपर हनी सिंह ने कपल की शादी की पुष्टि कर दी है। हनी सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, इस वक्त मैं लंदन में ग्लोरी के पहले गाने की शूटिंग कर रहा हूं। लेकिन मैं अपनी बेस्ट फ्रेंड सोनाक्षी की शादी में शामिल होने के लिए जरूर समय निकालूंगा। उनका मेरे करियर में बड़ा सपोर्ट रहा है और उन्होंने जिदंगी में कई बार मेरी मदद भी की है। पावर कपल सोना और जहीर को शुभकामनाएं!! भोलेनाथ उन्हें आशीर्वाद दें। बता दें कि हनी सिंह और सोनाक्षी ने दो म्यूजिक वीडियो देसी कलाकार और कलास्टार में साथ में काम किया है। ये दोनों सॉन्ग सुपरहिट साबित हुए। हाल ही में सोनाक्षी और जहीर की शादी का एक ऑडियो वेडिंग इनवाइट लीक हुआ था, जिसमें सोनाक्षी और जहीर की आवाज थी। इस इनवाइट में सोनाक्षी और जहीर कहते हैं- आखिरकार वो पल आ गया है जब हम एक-दूसरे के रूमर्ड गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड से ऑफिशियली हसबैंड और वाइफ बन जाएंगे। जहीर कहते हैं-शिपछले सात साल हमने अब तक हंसी-खुशी और प्यार से गुजारे। अब ये सेलिब्रेशन आप सबके बिना अधूरा है तो 23 जून को जो भी कर रहे हों, उसे छोड़ दीजिए और हमारे साथ पार्टी कीजिए। जल्द मिलते हैं। इस ऑडियो वेडिंग इनवाइट में सोनाक्षी और जहीर की फोटो है और नीचे की ओर क्यूआर कोड है। इस कोड को देख माना जा रहा है कि इसी से वेडिंग पार्टी में एंट्री मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेडिंग पार्टी में बॉलीवुड से कई सेलेब्स शामिल होंगे, जिसमें आयुष शर्मा, हुमा कुरैशी, वरुण शर्मा, संजय लीला भंसाली, फरदीन खान, ताहा शाह बदुशा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल के नाम शामिल हैं।

नई मुसीबत में फंसे शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा, गोल्ड स्कीम में व्यापारी को धोखा देने का आरोप, शिकायत दर्ज

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा नई मुसीबत में फंस गए हैं। अब इस जोड़े पर एक व्यापारी को सोने की स्कीम में धोखा देने का आरोप लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, बुलियन व्यापारी पृथ्वीराज सरेमल कोठारी ने शिल्पा और राज के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मुंबई सत्र न्यायालय का रुख किया है। कथित तौर पर, कोठारी ने आरोप लगाया है कि शिल्पा और राज ने अपनी कंपनी के तहत एक योजना बनाई और व्यापारियों से इसमें निवेश करने को कहा, जिसमें सोने में निवेश पर आकर्षक रिटर्न का वादा किया गया था। इस योजना का नाम 'सतयुग गोल्ड' था और कथित तौर पर निवेशकों को बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद एक निश्चित दर पर सोना देने का आश्वासन दिया गया था। कोठारी ने दावा किया कि उन्होंने इस क्षेत्र में निवेश किया, लेकिन 2 अप्रैल, 2019 को परिपक्वता तिथि तक पहुंचने पर उन्हें वादा किया गया सोना नहीं मिला। उन्होंने आगे दावा किया कि उन्होंने इस योजना में 90 लाख रुपये से अधिक का निवेश किया। कोठारी ने अपने आरोपों का समर्थन करने के लिए शिल्पा शेट्टी द्वारा हस्ताक्षरित एक कवर लेटर और सतयुग गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी एक चालान भी अदालत में पेश किया। अदालत ने अब मुंबई पुलिस अधिकारियों को मामले की जांच करने का आदेश दिया है। यह पहली बार नहीं है जब शिल्पा और राज कानूनी मुसीबत में फंसे हैं। इस साल अप्रैल में ईडी ने राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। जब्त की गई संपत्तियों में मुंबई के जुहू में उनकी पत्नी शिल्पा शेट्टी के नाम पर एक रिहायशी फ्लैट शामिल है। ईडी ने कहा कि एक अन्य संपत्ति पुणे में एक रिहायशी बंगला और राज कुंद्रा के नाम पर इक्विटी शेयर हैं। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ईडी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत कुंद्रा की अचल और चल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया है।

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म महाराज की रिलीज पर कोर्ट ने लगाई रोक

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म महाराज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म रिलीज से पहले ही अपने कंटेंट के कारण विवादों में घिरी हुई है। वहीं अब गुजरात हाई कोर्ट से इस फिल्म पर रोक का फैसला आ गया है। जुनैद खान की फिल्म 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार थी। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म महाराज 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है बता दें जुनैद खान की फिल्म महाराज के कंटेंट को लेकर कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जाहिर की थी। उन्होंने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील करते हुए याचिका दायर की थी। बता दें इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि इसमें कुछ ऐसी चीजें हैं जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं महाराज 14 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली थी। 13 जून को फिल्म की रिलीज पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। महाराज पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप लगे हैं। ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये फिल्म वैष्णव समुदाय के एक धार्मिक प्रमुख के इर्द-गिर्द घूमती है। ऐसे में विश्व हिंदू परिषद ने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील की थी, क्योंकि ये धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। महाराज को लेकर गुरुवार को अहमदाबाद और मुंबई उच्च न्यायालयों में सुनवाई हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात हाई कोर्ट ने फिल्म पर 18 जून तक के लिए रोक लगा दी है। ईटाइम्स में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि कुछ भक्तों और पुष्टिमार्गीय वैष्णव पंथ के अनुयायियों ने गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिस पर उच्च न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, फिल्म महाराज के निमार्ता यश राज फिल्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को नोटिस जारी किया। हाई कोर्ट ने 18 जून तक के लिए महाराज के ओटीटी और मीडिया प्रसारण पर रोक लगा दी है। जुनैद खान के साथ फिल्म महाराज में जयदीप अहलावत और शरवरी वाघ भी अहम किरदार निभा रहे हैं। महाराज के अलावा जुनैद एक और बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस सई पल्लवी नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग जापान के खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है।

VICTORIA BOOK HOUSE
NETFLIX
SUPREME COURT OF BOMBAY

सेंसेक्स के 82000 के पार जाने की उम्मीद

बाजार में एक साल में मिल सकता है 14 फीसदी का रिटर्न

एजेंसी

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज का दावा है कि भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को एक साल में 14 फीसदी तक का रिटर्न मिल सकता है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स इस दौरान 82,000 के पार जा सकता है। यह भारत का अब तक का सबसे लंबा और मजबूत तेजी वाला बाजार होगा। सेंसेक्स अभी 77,000 के करीब है।मूडीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय शेयर बाजार लगातार नई ऊंचाईयां बना रहा है। अब यह देखना है कि बाजार को भौतिक रूप से ऊपर कैसे ले जाया जा सकता है। नई सरकार में नीतिगत बदलाव होने की संभावना है। इससे बाजार आश्चर्यचकित कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह दशक भारत का दशक रहेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के फिर से सत्ता में आने से बाजार को अनुमान है कि नीतिगत फैसले बरकरार रहेंगे। यह फैसले आने वाले पांच वर्षों में विकास और इक्विटी रिटर्न को प्रभावित करेंगे। हमारा मानना है कि सरकार नीति को बनाए रखने के लिए वृहद स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रख सकती है।

संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद कर सकता है बाजार

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की निरंतरता के साथ, बाजार संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद कर सकता है। बढ़ती जीडीपी वृद्धि के साथ मैक्रो स्थिरता को उभरते बाजारों की तुलना में भारत के बेहतर प्रदर्शन को बढ़ाना चाहिए। मूडीज ने इससे पहले 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर के अनुमान को संशोधित कर 6.8 प्रतिशत कर दिया था।

पांच वर्षों में सकारात्मक बदलाव होगा

पिछले दशक में महत्वपूर्ण फैसलों में नीतिगत सुधार, महंगाई घटाने पर जोर, जीएसटी कानून, दिवालियापन कोड, रेरा और कॉरपोरेट की कम कर दरों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक सुधार और बुनियादी ढांचे शामिल हैं। मोदी 3.0 के सत्ता में आने से अगले पांच वर्षों में सकारात्मक संरचनात्मक बदलाव के रूप में और भी बहुत कुछ हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की जीत से इंग्लैंड को हुआ बंपर फायदा

सुपर-8 में पहुंची टीम स्कॉटलैंड का सफर समाप्त

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराया
स्कॉटलैंड
ऑस्ट्रेलिया
ब्रेंडन मैकमुलेन 60 रन
ग्लेन मैक्सवेल 2 विकेट
180/5 (20 ओवर)
186/5 (19.4 ओवर)
ट्रेविस हेड 68 रन
मार्क वॉट 2 विकेट

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ रविवार को पांच विकेट से जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से इंग्लैंड को बंपर फायदा हुआ है। वह ग्रुप बी से सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी टीम बन गई है। वहीं, स्कॉटलैंड का सफर इसी के साथ टी20 विश्व कप 2024 में समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर-8 के लिए क्लाविफाई कर चुकी है। वह फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है।स्कॉटलैंड के खिलाफ रविवार को जीत हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खाते में आठ अंक हो गए। वहीं, उनका नेट रनरेट +2.791 हो गया। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर इंग्लैंड की टीम है। चार मैचों में दो जीत के साथ उनके खाते में पांच अंक हैं। वहीं, उनका नेट रनरेट +3.611 हो गया है। स्कॉटलैंड की टीम नेट रनरेट की वजह से क्वालिफाई करने से चूक गई। उनके खाते में भी पांच ही अंक हैं। हालांकि, उनका नेट रनरेट +1.255 है। इस ग्रुप की दो टीमें (नामीबिया और ओमान) पहले ही सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। ग्रॉस आइलेट के डेरन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए 35वें मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड ने ब्रेंडन मैकमुलेन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस की विशाल साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन बनाए और पांच विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत कुछ खास नहीं हुई। टीम को पहला झटका दो रन के स्कोर पर लगा। ब्रैड व्हील ने रिची बेरिंग्टन के हाथों डेविड वॉर्नर को कैच आउट कराया। वह सिर्फ एक रन बना सके। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मिचेल मार्श भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, मैक्सवेल एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। वह आठ गेंदों में 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 60 रन के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी ऑस्ट्रेलिया को एक लंबी साझेदारी की जरूरत थी। ऐसे में टीम के लिए ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस संकटमोचक साबित हुए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 80 रनों की विशाल साझेदारी हुई जिसे 16वें ओवर में साफयान शरीफ ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज को 140 रन के स्कोर पर आउट किया। वह 49 गेंदों में 68 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस दौरान उनके बल्ले से पांच चौके और चार छक्के निकले। वहीं, मार्कस स्टोइनिस 29 गेंदों में 59 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने 203.44 के स्ट्राइक रेट से नौ चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद मोर्चा टिम डेविड और मैथ्यू वेड ने संभाला। दोनों टीम को दो गेंदों के शेष रहते जीत दिलाई। डेविड 14 और वेड चार रन बनाकर नाबाद रहे। इस मैच में स्कॉटलैंड के लिए मार्क वॉट और साफयान शरीफ ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, ब्रैड व्हील को एक सफलता मिली।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरूआत झटके के साथ हुई। एश्टन एगर ने टीम को तीन रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। उन्होंने माइकल जोन्स को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ दो रन बना सके। इसके बाद मोर्चा जॉर्ज मुन्से और ब्रेंडन मैकमुलेन ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 89 रनों की विशाल साझेदारी हुई जिसे मैक्सवेल ने नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर तोड़ा। उन्होंने मुन्से को 92 रन के स्कोर पर अपना शिकार बनाया। वह 23 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, 12वें ओवर में मैक्कुलन जम्पा का शिकार बन गए।

पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में पहुंचे टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्पेन के पूर्व विश्व नंबर 37 बर्नबे जापाटा मिरालेस पर 7-6 (7-2) 1-6 6-2 से जीत हासिल करके पेरुगिया

चैलेंजर के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनकी नजर इस साल अपने तीसरे खिताब पर होगी।भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्पेन के पूर्व विश्व नंबर 37 बर्नबे जापाटा मिरालेस पर 7-6 (7-2) 1-6 6-2 से जीत हासिल करके पेरुगिया चैलेंजर के फाइनल में प्रवेश कर लिया। 26 वर्षीय नागल जो अब विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वोच्च 77वें स्थान पर हैं, उन्हें पहले सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने टाई-ब्रेकर में स्पेनिश खिलाड़ी को मात दी।

माइकल वॉन ने दिया ये बयान...

बाबर आजम से फिर छिनेगी कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान टीम के लिए टी20 विश्व कप बुरे सपने की तरह रहा है और टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई है। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम को सोशल मीडिया पर फैंस और पूर्व खिलाड़ियों की आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। हार के बाद टीम में गुटबाजी की खबरें भी सामने आ रही हैं। पाकिस्तान को ग्रुप चरण में अमेरिका और भारत से हार मिली जिस कारण उसके लिए अगले दौर में पहुंचने के दरवाजे बंद हो गए। हार के बाद बाबर आजम की कप्तानी पर सवाल उठ रहे हैं और प्रशंसकों ने उन्हें कप्तानी से हटाने की मांग की है। हालांकि, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन चाहते हैं कि बाबर टीम की कमान आगे भी संभाले रहें।

मार्च में दोबारा सौंपी गई थी कप्तानी

बाबर आजम ने पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। बाबर की जगह तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था। शाहीन के नेतृत्व में भी पाकिस्तान का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिसके बाद इस मार्च में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बाबर को दोबारा कप्तान नियुक्त किया था। वॉन का कहना है कि वह बाबर को टी20 कप्तान के तौर पर नहीं देखते हैं, लेकिन बोर्ड हमेशा परिवर्तन नहीं कर सकता है।

बाबर के समर्थन में उतरे वॉन

वॉन ने कहा, मैं अब भी बाबर को टी20 कप्तान के तौर पर नहीं देखता हूं। मैं उन्हें टेस्ट और वनडे में कप्तान के रूप में देखता हूं। इन दोनों प्रारूप में वह खिलाड़ी के रूप में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। टी20 में उनका खेल अच्छा है, लेकिन वह वैश्विक टूर्नामेंट के लिए शीर्ष 15 में फिट नहीं बैठते। मुझे लगता है कि उनके क्रम में कई अन्य खिलाड़ी उनसे अच्छे हैं। हालांकि, मैं नहीं चाहता कि फिर कप्तानी में बदलाव किया जाए। बाबर कम से कम लय प्रदान करते हैं। मुझे लगता है कि पाकिस्तान के कई प्रशंसक इस वास्तविकता से परिचित हैं कि टीम का प्रदर्शन कैसा रहा है। पाकिस्तान ने भले ही अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन कागजों में वह एक मजबूत टीम है।

चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए हो सकता है बदलाव

पाकिस्तान को अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है और इससे पहले टीम प्रबंधन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने हाल ही में कहा था कि बदलाव जरूरी है।

धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार के विभागों को होगी हस्तांतरित

एजेंसी

नई दिल्ली। करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में अडाणी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं होगा। सूत्रों ने इस बारे में स्थिति साफ करते हुए कहा है कि परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाएगा और अदाणी समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। बाद में इन घरों का आवंटन एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के निवासियों को किया जाएगा।

जमीन हड़पने के आरोपों से किया इनकार

कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं। अडाणी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी झुग्गी झोपड़ी पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट लि. (डीआरपीपीएल) के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और उन्हें फिर से डीआरपी/एसआरए को सौंप देगा।

धारावी के लोगों को घर से बेघर करने की बात काल्पनिक

रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी के निवासियों के पहले सेट की पुनर्वास इकाइयां बनाई जानी हैं, सूत्रों ने कहा कि इसे निविदा से पहले ही डीआरपी को आवंटित किया गया था, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित दरों पर 170 प्रतिशत के भारी प्रीमियम का भुगतान किया है। इन आरोपों को कि धारावीवासियों को धारावी से बाहर निकाल दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा, को पूरी तरह से काल्पनिक और जनता के बीच चिंता पैदा करने के लिए एक कल्पना करार देते हुए सूत्रों ने कहा कि सरकार के 2022 के आदेश में यह शर्त रखी गई है कि धारावी के प्रत्येक निवासी (पात्र या अपात्र) को एक घर दिया जाएगा।उन्होंने जोर देकर कहा कि डीआरपी/एसआरए योजना के तहत किसी भी धारावीवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा। एक जनवरी, 2000 को या उससे पहले मौजूद मकानों के धारक यथास्थान पुनर्वास के पात्र होंगे। एक जनवरी, 2000 से एक जनवरी, 2011 के बीच मौजूद लोगों को धारावी के बाहर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कहीं भी पीएमएवाई के तहत सिर्फ 2.5 लाख रुपये में या किराये के माध्यम से घर आवंटित किए जाएंगे।

बारिश से बाधित मैच में इंग्लैंड ने दी नामीबिया को मात

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और नामीबिया के बीच रविवार को टी20 विश्व कप 2024 का 34वां मुकाबला खेला गया। बारिश से बाधित इस मैच में इंग्लैंड ने डीएलएस नियम के माध्यम से 41 रनों से जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने इस जीत के साथ सुपर-8 में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया बनाम स्कॉटलैंड मैच पर निर्भर रहना होगा। दरअसल, इंग्लैंड पांच अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है जबकि स्कॉटलैंड भी इतने ही अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अगर ऑस्ट्रेलिया स्कॉटलैंड को हराने में कामयाब होता है तो बेहतर नेट रनरेट के चलते इंग्लैंड सुपर-8 में पहुंच जाएगा। वहीं, अगर स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया को हराने में कामयाब होती है तो वह सुपर-

8 में पहुंच जाएगी।ऑस्ट्रेलिया की टीम इस वक्त अंक तालिका में पहले स्थान पर है। तीन मैचों में जीत के साथ उनके खाते में छह अंक हैं। उन्हें ग्रुप स्टेज पर अपना चौथा मुकाबला स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलना है। दूसरे पायदान पर इंग्लैंड की टीम बनी हुई है। चार मैचों में दो जीत के साथ उनके खाते में पांच अंक हो गए हैं। वहीं, स्कॉटलैंड तीन मैचों में दो जीत के साथ तीसरे पायदान पर है। उनके खाते में पांच अंक हैं। इंग्लैंड से मिली हार के बाद नामीबिया का सफर समाप्त हो गया। ओमान की टीम अपने चारों मैचों में हार के साथ पहले ही सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो चुकी है।नॉर्थ साउंड के सेंट विवियन रिचर्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक की 47 रनों की विस्फोटक पारी की बदौलत 10 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए। जवाब में नामीबिया 10 ओवर में तीन विकेट पर सिर्फ 84 रन बना सकी। डीएलएस नियम के माध्यम से इंग्लैंड ने नामीबिया के खिलाफ 41 रन से जीत हासिल कर ली। इस मैच में इंग्लैंड की जीत के हीरो भी हैरी ब्रूक ही रहे। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।बारिश की वजह से यह मुकाबला देरी शुरू हुआ।

स्पेन की क्रोएशिया के खिलाफ दमदार शुरूआत

स्विट्जरलैंड ने हंगरी को 3-1 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड ने शनिवार को जर्मनी के कोलोन में खेले गए यूरोपीय चैम्पियनशिप 2024 में अपने शुरूआती फुटबॉल मुकाबले में हंगरी को 3-1 से शिकस्त दी। वहीं, ग्रुप-बी के एक मुकाबले में स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर यूरो कप 2024 की दमदार शुरूआत की है। इससे पहले मेजबान देश जर्मनी ने शुक्रवार को टूनार्मेंट के शुरूआती मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से हराया था। ऐसे में हंगरी पर जीत से स्विट्जरलैंड ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।हंगरी को सितंबर 2022 के बाद किसी प्रतिस्पर्धी मैच में पहली हार मिली। स्विट्जरलैंड ने क्वाड्वो दुआह के 12वें मिनट और माइकल एबीशर के 45वें मिनट में किए गए गोल से पहले हाफ में 2-0 से बढ़त बनाई। हंगरी के लिए एकमात्र गोल बनार्बास वार्गा ने डोमिन जोबोस्लाई के क्रॉस पर हेडर से 66वें मिनट में दागा। हंगरी ने स्विट्जरलैंड पर दबाव बनाए रखा लेकिन दूसरा गोल नहीं कर सका। ब्रील एम्बोलो ने इंजुरी टाइम (90+3वें मिनट) में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

स्पेन ने क्रोएशिया को हराया

वहीं, स्पेन ने क्रोएशिया को 3-0 से हरा दिया। स्पेन के लिए कप्तान अल्वारो मोराटा ने 29वें मिनट, फैबियन रूइज ने 32वें मिनट और कावार्हाल ने 45+2वें मिनट में गोल दागे। दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हो सका। हालांकि, क्रोएशिया की टीम को पेनल्टी

मिला था, लेकिन टीम उसमें गोल करने में नाकाम रही। ग्रुप-बी का दूसरा मुकाबला इटली और अल्बानिया के बीच खेला जाएगा।

कावार्हाल ने बनाया रिकॉर्ड

दानी कावार्हाल यूरो कप में 32 वर्ष और 156 दिन की उम्र में गोल दागा। वह स्पेन के लिए इस टूनार्मेंट में गोल स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनके गोल को 16 साल 338 दिन की उम्र के लैमिन यमाहाल ने असिस्ट किया। यमाहाल प्रतियोगिता के इतिहास में असिस्ट करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

मेजबान जर्मनी ने स्कॉटलैंड को हरा किया जीत से आगाज

फ्लोरियन विट्र्ज और जमाल मुसियाला के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से जीत का मंच तैयार करने वाले मेजबान जर्मनी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेले स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त देकर यूरो फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान का आगाज जीत से किया।विट्र्ज ने 10वें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में पेनाल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3-0 से आगे कर दिया। जर्मनी को डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण यह पेनाल्टी मिली थी, जिन्हें रेफरी ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस कारण स्कॉटलैंड को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था।

विट्र्ज गोल करने वाले सबसे युवा

विट्र्ज यूरो में जर्मनी के लिए गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उनकी उम्र 21 वर्ष और 42 दिन है।

विदेशी सहायता पर निर्भरता खत्म करेगा पाकिस्तान: प्रधानमंत्री

बोले- ये आईएमएफ के साथ आखिरी समझौता होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है।

अगला समझौता आईएमएफ के साथ आखिरी होगा

शहबाज शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज

के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ ने अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए ये बात कही। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आर्थिक विकास में पड़ोसी देशों से होंगे आगे

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'इंशाअल्लाह, यह पाकिस्तान के इतिहास में आईएमएफ का आखिरी प्रोग्राम होगा। हम अपने पैरों पर खड़े होंगे और आर्थिक विकास के मामले में अपने पड़ोसी देशों को भी पीछे छोड़ देंगे।' शरीफ ने 4 मार्च को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। शरीफ ने कहा कि 'दुनिया में ऐसे भी देश हैं, जिन्होंने एक बार आईएमएफ से मदद ली और उसके बाद उन्हें कभी भी आईएमएफ की जरूरत नहीं पड़ी। हमने आईएमएफ से 24-25 बार मदद ली है, लेकिन मैं आज आपको ये यकीन दिलाता हूं कि आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी हो सकता है।' शरीफ ने कहा कि 'अब हम दुनिया के देशों से अब व्यापार को लेकर बात करेंगे न कि कर्ज लेने को लेकर। मुझे लगता है कि इसी तरह से पाकिस्तान कर्ज के जाल से निकल सकेगा।' शरीफ ने कहा कि देश की भलाई के लिए कुछ कड़े फैसले लेने होंगे। शरीफ ने उन सभी संस्थानों, मंत्रालयों और अन्य विभागों को खत्म करने का फैसला किया, जो खजाने पर बोझ बने हुए हैं और वे जनसेवा में भी नहीं लगे हैं। इस फैसले से करदाताओं के अरबों रुपये बच सकते हैं।

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में हारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ओलंपिक के आखिरी क्वालिफायर से कोटा हासिल करने में विफल रहने के बाद महिला टीम की तरह अब पेरिस खेलों के टिकट के लिए रैंकिंग पर निर्भर रहेगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय टीम के खिलाफ शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में मेक्सिको ने उलटफेर किया।शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत 4-0 की बढ़त बनाने के बाद 4-5 (57-56, 57-53, 55-56, 55-58) (26-26*) से हार गया। पुरुष वर्ग में शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाली टीमों को ओलंपिक कोटा मिलेगा। पुरुष और महिला टीम अब भी पेरिस ओलंपिक की कट-ऑफ तारीख से पहले अपनी रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई कर सकती हैं।यह हार भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ा झटका है क्योकि शुरूआती दो सेट के बाद टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सिर्फ तीसरे सेट में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी।

साहसिक टाइम्स
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
बिन्देश्वरी प्रसाद द्वारा गुरु
कृपा प्रिंटर्स 22, रुक्मणीपुरम,
निकट माहेश्वरी ट्रेडर्स,
फैजुल्लागंज, सीतापुर रोड,
लखनऊ 226020 (उ०प्र०)
से छपवाकर प्रकाशन
स्थल ई-394 रक्षा खण्ड,
रायबरेली रोड, लखनऊ
226025(उ०प्र०) से
प्रकाशित
संपादक
चंदन
मो नंबर 9005051151
समस्त विवादों का निस्तारण
लखनऊ न्यायालय मे ही
किया जाएगा